RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 134 , शनिवार, 27 जून 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

नशा मुक्त भारत अभियान के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान को प्रधानमंत्री का प्रशस्ति पत्र... 03

एनवाईईएफ वीरगंज की वार्षिक आम सभा सम्पन्न, चंदन सिंह के नेतृत्व में नई... 04

बेहद हसीन दिखती हैं ईठा एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर, इंडियन हो या वेस्टर्न... 07

संक्षिप्त समाचार

मोदी मंत्रिमंडल में बढ़ सकते हैं महाराष्ट्र से मंत्री !

ऑपरेशन टाइगर के बाद श्रीकांत शिंदे समेत चर्चा में पांच नाम

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सफल ऑपरेशन टाइगर का असर केंद्रीय मंत्रिमंडल के फेरबदल में देखने को मिल सकता है। उद्धव ठाकरे के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के साथ आने पार्टी शिवसेना की ताकत बढ़ गई है। चर्चा है कि एक कैबिनेट बर्थ शिवसेना को मिल सकती है। मंत्री पद के लिए शिंदे के बेटे डॉ. श्रीकांत शिंदे के साथ धाराशिव से सांसद ओम राजे निंबालकर का नाम

भी चल रहा है। अगर ऐसा होता है तो सुनेत्रा पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से भी कोई मंत्री बन सकती है। जब पीएम नरेंद्र मोदी ने शपथ ली थी तब प्रफुल्ल पटेल का नाम सामने आया था लेकिन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ऑफर किए जाने पर बात अटक गई थी। अब देखना है कि एनसीपी को मंत्रिमंडल में जगह मिली है या फिर नहीं। चर्चा है कि पीएम मोदी 28 या 29 जून को मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार कर सकते हैं।

बीजेपी के चार और सहयोगी के दो मंत्री

अभी महाराष्ट्र से कुल छह नेता केंद्र में मंत्री हैं। इनमें चार मंत्री बीजेपी और दो एनडीए के सहयोगियों के पास हैं। इनमें एक मंत्री पद एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एक मंत्री पर आरपीआई-ए के पास है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का फेरबदल 28 या 29 जून को होने की चर्चा है। महाराष्ट्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता प्रफुल्ल पटेल के मंत्री बनने की संभवना है। वह अभी राज्यसभा के सदस्य है और पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष है। अगर वे मंत्री नहीं बनते हैं तो दूसरी नाम सुनील तटकरे का है। सांसद संजय दीना पाटिल का भी नाम चर्चा में है।

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिक

5 सेना, 1 एयरफोर्स का जवान, पीओके में हमला किया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की 3 डी वॉल पर साल 2025 के खंड में भी उनके नाम अंकित किए गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के तहत

सेना ने बताया था कहां-कहां की थी एयरस्ट्राइक- सेना ने 7 मई 2025 की सुबह बताया था कि पाकिस्तान और पीओके में 9 टारगेट पहचाने गए थे। इन्हें हमने तबाह कर दिया। लॉन्चपैड, ट्रेनिंग सेंटर्स टारगेट किए गए। इनके नाम हैं..पीओके में मुजफ्फराबाद स्थित लश्कर के सवाई नाला ट्रेनिंग सेंटर को सबसे पहले निशान बनाया गया। सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम हमले के आतंकियों ने यहीं ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद का सैयदना बिलाल कैंप। यहां हथियार, विस्फोटक और जंगल सर्वाइवल की ट्रेनिंग दी जाती थी। कोटली का लश्कर का गुरपुर कैंप। पुंछ में 2023 में श्रद्धालुओं पर हमला करने वाले आतंकी यहीं ट्रेंड हुए थे। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े 9 आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए थे। भारत सरकार ने कहा था कि इन हमलों में 100 से ज्यादा आतंकियों को मार गिराया था। इसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई थी।

● आरक्षण का लाभ भी होगा खत्म, हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

इस्लाम अपना लिया तो नहीं मिलेगा ओबीसी का दर्जा

चेन्नई (एजेंसी)। मद्रास हाईकोर्ट ने हाल ही में धर्म परिवर्तन और आरक्षण को लेकर एक बेहद अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस आदेश को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया है, जिसके तहत हिंदू धर्म की पिछड़ी, अति-पिछड़ी या अनुसूचित जाति से इस्लाम अपनाने वाले लोगों को बैकवर्ड क्लास मुस्लिम का दर्जा और आरक्षण देने की बात कही गई थी। जस्टिस जी आर स्वामीनाथन और जस्टिस पी बी बालाजी की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि कोई भी व्यक्ति इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुस्लिम होता है। पीठ ने कहा, कोई भी शख्स इस्लाम अपनाने के बाद सिर्फ एक मुसलमान रह जाता है, बस बात यहीं खत्म। वह बैकवर्ड क्लास मुस्लिम के दर्जे या आरक्षण का दावा कतई नहीं कर सकता। यह मामला थूथुकुडी जिले के रहने वाले समीर अहमद की याचिका के बाद सामने आया। पहले उसका नाम परमशिवम था। परमशिवम का जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था। 2015 में उसने इस्लाम धर्म अपनाकर अपना नाम समीर

अहमद रख लिया और मुस्लिम रीति-रिवाजों से शादी की। धर्म परिवर्तन के बाद समीर ने तहसीलदार के पास मुस्लिम लेब्बाई जाति का कम्युनिटी सर्टिफिकेट पाने के लिए आवेदन किया। इस जाति को तमिलनाडु में पिछड़े वर्ग के मुसलमानों का दर्जा प्राप्त है। तहसीलदार ने समीर का आवेदन खारिज कर दिया था। इसके बाद समीर ने हाईकोर्ट का रुख किया और तमिलनाडु सरकार के 9 मार्च 2024 के उस आदेश का हवाला दिया, जिसमें कनवर्टेड मुस्लिमों को आरक्षण देने की बात कही गई थी। तमिलनाडु सरकार ने दलील दी कि आरक्षण इसीलिए दिया जा रहा है ताकि वह लाभ उठा सके।

सिर्फ आरक्षण के लिए नहीं दे सकते लाभ

अदालत ने कहा, ईसाई मिशनरियों और इस्लामिक उपदेशकों ने दशकों और सदियों तक यह प्रचार किया कि उनके धर्मों में सामाजिक समानता है, जबकि हिंदू धर्म में जाति व्यवस्था है। धर्म-परिवर्तन के लिए ऐसा रुख अपनाने के बाद, अब यह दावा करना गलत है कि इस्लाम में भी ऊंच-नीच है। हमारी राय में, कुछ समुदायों को पिछड़ा और बाकी को अगड़ा मानना कुरान की शिक्षाओं के खिलाफ है। इस्लाम एक ऐसा समाज बनाना चाहता है जिसमें सब बराबर हों। अल्लाह की नजर में सब समान हैं। वहां कोई सामाजिक ऊंच-नीच नहीं है। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार सिर्फ इसलिए विभिन्न जातियों के कनवर्टेड मुस्लिमों का एक समूह बनाकर उन्हें आरक्षण नहीं दे सकती कि वे लाभ उठाते रहें।

पुलिस ऑफीसर कर रहे सम्राट के खिलाफ साजिश

● भरत तिवारी एनकाउंटर पर पूर्व मंत्री नागमणि का बड़ा दावा

पटना (एजेंसी)। बिहार में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में तीखी बहस छिड़ गई है। पूर्व सांसद और भाजपा नेता नागमणि ने इस एनकाउंटर को लेकर एक बेहद विवादित और चर्चित बयान दिया है, जिसने राज्य के

सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। नागमणि ने मारे गए भरत तिवारी के आपराधिक इतिहास का हवाला देते हुए उसे सूबे का सबसे बड़ा गुंडा और अपराधी करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने बिहार पुलिस के कुछ बड़े अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वे जानबूझकर सम्राट चौधरी की सरकार की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर नागमणि ने कहा, सब ठीक नहीं चल रहा है। सारे पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज हो।

राम मंदिर 'चंदा चोरी' केस में बड़ा ऐक्शन

● चंपत राय का ट्रस्ट से इस्तीफा, अनिल मिश्रा की भी छुट्टी ● मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी व्यवस्था से किया दूर

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ ट्र्स्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉक्टर अनिल मिश्रा ने इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव को भी मंदिर की व्यवस्था से बाहर कर दिया गया है। चंपत के

पास पूरे मंदिर की जिम्मेदारी थी। राय के बाद ट्रस्टी अनिल और गोपाल राव की मंदिर व्यवस्था में बड़ी भूमिका थी। एक हफ्ते पहले सीएम योगी अयोध्या दौरे पर गए थे। उस वक्त चंपत को उनके दौरे से दूर रखा गया था, तभी से यह सुगबुगाहट थी कि उन्हें हटाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, अब ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाएगा। चढ़ावा चोरी मामले में गुरुवार देर शाम ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर पहली एफ आई आर दर्ज कराई गई थी। इसके बाद रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस आज सभी को कोर्ट में पेश करेगी। इसमें चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा समेत अन्य बड़े पदाधिकारियों के नाम नहीं हैं।

मैंने कहा था-कार्रवाई होगी और कार्रवाई शुरू हो गई

● राम मंदिर मामले में बोले सीएम योगी, कांग्रेस पर जमकर बरसे

देवरिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को निशाना बनाया है। अयोध्या के दौर पर आए अरविंद केजरीवल ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में

चढ़ावे की कथित चोरी की जांच करने वाली एसआईटी पर सवाल उठाए हैं। सीएम योगी ने कहा है कि, जब इन्हें कुछ नहीं मिला तो रामभक्तों पर आक्षेप कर रहे हैं, अयोध्या धाम को बदनाम कर रहे हैं। सीएम योगी ने देवरिया में एक जनसभा में यह बात कही। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, एक दिल्ली से सज्जन वहां आए हैं, अयोध्या। दिल्ली की जनता ने उन्हें 15 वर्ष अवसर दिया, लेकिन दिल्ली को उन्होंने बर्बादी, भ्रष्टाचार के सिवा कुछ नहीं दिया। मैंने कहा था कि एसआईटी की रिपोर्ट आने पर कार्रवाई होगी। एसआईटी रिपोर्ट आई, कार्रवाई प्रारंभ हो गई है। उन्होंने कहा कि, जन आस्था के साथ जो खिलवाड़ करेगा, उसके साथ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम करेंगे। आज मोहर्रम है, कहीं किसी का अता पता नहीं है, कोई शस्त्र नहीं निकल रहा, कोई उपद्रव नहीं कर सकता।

वेनेजुएला भारी तबाही अब तक 235 की मौत

● 4300 से ज्यादा घायल, मलबे के ढेर में जिंदगी की तलाश

सरकार बोली-39,000 लोग लापता, नीचे से आ रहीं आवाजें

कराकस (एजेंसी)। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत की पुष्टि हो गई है। जबकि 4300 से ज्यादा लोग घायल हैं। वेनेजुएला में बुधवार यानी 25 जून को साल 1821 के काराबोबो युद्ध की याद में राष्ट्रीय अवकाश था। इसलिए ज्यादातर लोग घरों में थे और फीफा वर्ल्ड कप मैच देख रहे थे। इससे मलबे में दबने वालों की संख्या ज्यादा होने की आशंका है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मलबे के अंदर से आवाजें आ रहीं हैं। सरकार ने देर रात बताया कि 39 हजार से ज्यादा लोग लापता हैं। भूकंप की भयावहता की असल तस्वीर अभी आना बाकी है।

राहत अभियान में जुटी टीमें

घायलों को खून से लथपथ हालत में मलबे से बाहर निकाला गया। इनमें एक महिला सीमेंट के भारी स्लैब के नीचे फंसी हुई दिखाई दी और मलबे से उसके एक पैर का हिस्सा ही दिखाई दे रहा था, बचाव दल ने काफी प्रयास के बाद उसे जीवित बाहर निकाल लिया। एक महिला अपने तीन और दस वर्षीय बच्चों के शवों को कंबलों में लपेटकर ले जाते देख फूट-फूटकर रो पड़ी और बेसुध होकर गिर गई। वहीं, कई लोग तलाश में जुटे हैं।

मलबे में अभी भी सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका

वेनेजुएला में अभी भी भूकंप से तबाह हुई बिल्डिंगों के मलबे में सैकड़ों लोगों के फंसे होने की आशंका है। आपदा प्रभावित इलाके में अंतरराष्ट्रीय बचाव दल और मानवीय सहायता के पहुंचने के साथ ही आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। भारत ने भूकंप प्रभावित वेनेजुएला की मदद के लिए ऑपरेशन अमिस्ताद शुरू किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि भारतीय वायुसेना के दो एम-17 विमान भारतीय सेना की फील्ड हॉस्पिटल यूनिट और 35 टन से ज्यादा राहत सामग्री लेकर वेनेजुएला के लिए रवाना हो गए हैं।

टीम नितिन नवीन तैयार ! जल्द होगा ऐलान

● केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल के साथ शुरुआत ● बीजेपी संगठन में भी बड़े बदलाव के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल में पहली बार कैबिनेट में बड़े फेरबदल की चर्चाएं तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह फेरबदल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के संगठनात्मक बदलावों के साथ ही किया जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम के गठन को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। इस बारे में बीजेपी सूत्रों ने पहले ही संकेत दिए थे कि संगठन में बड़े बदलाव जून के आखिर तक हो सकते हैं, साथ ही ये बदलाव केंद्रीय मंत्रिमंडल में होने वाले फेरबदल से जुड़े हो सकते हैं। गुरुवार को नितिन नबीन की कुछ

राज्य मंत्रियों के साथ बातचीत के बाद फेरबदल की अटकलें और तेज हो गईं। पार्टी के लोगों का मानना है कि संगठन में फेरबदल, गुरुवार को घोषित की गई उत्तर प्रदेश बीजेपी की नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद अब होगी।

पीडीए की काट पर रहा फोकस

उत्तर प्रदेश की नई टीम में युवाओं और विभिन्न पिछड़ा वर्ग (पीडीए) जातियों के प्रतिनिधित्व पर ध्यान गया है। इसे समाजवादी पार्टी की पीडीए यानी पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समीकरण का जवाब माना जा रहा है। माना जा रहा है कि राष्ट्रीय संगठन में भी इसी तरह युवाओं, महिलाओं और विभिन्न सामाजिक वर्गों को अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। क्योंकि पार्टी युवाओं और महिलाओं के अलावा अहम जाति समूहों में अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है।

सिया के इशारे पर प्रेमी चेतन ने केतन को खाई में धकेला

पहले दोनों ने एक-दूसरे पर आरोप मढ़े; फिर जुर्म स्वीकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के लोहागढ़ किले में रियल एस्टेट कारोबारी केतन विशाल अग्रवाल की हत्या मामले में एक एक कर साजिश की परतें लगातार खुलती जा रही हैं। जांच से पता चला कि केतन की मंगेतर सिया गोयल से संकेत मिलने पर उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने केतन को लोहगढ़ किले से धक्का दे दिया था। यही नहीं सिया और चेतन ने वारदात को अंजाम देने से पहले हत्या करने का तरीका भी सर्च किया था। जांच से यह भी पता चला है कि केतन की हत्या से एक दिन पहले दोनों एक कैफे में मिले थे। पुणे के कैफे से मिले सीसीटीवी फुटेज में सिया और चेतन चौधरी को 17 जून को मिलते देखा गया है।

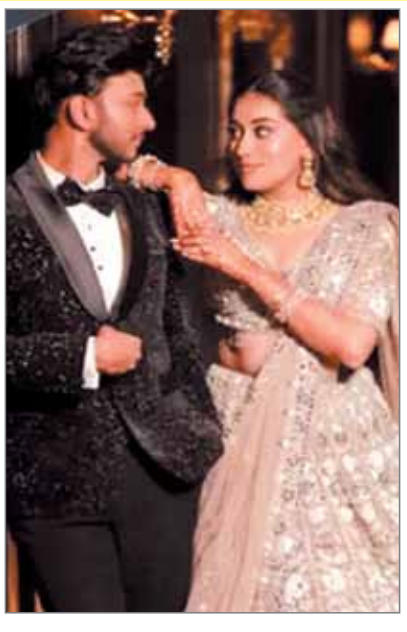

● दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया - पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि क्या एक घंटे तक चली यह मुलाकात साजिश से जुड़ी थी। जांच में शामिल पुलिस अधिकारी ने कहा, आमने सामने की पूछताछ में दोनों ने एक-दूसरे पर दोष मढ़ने की कोशिश की, हालांकि आखिरकार सिया ने मान लिया कि उसने ही साजिश रची थी और चेतन भी उस साजिश में शामिल था। अधिकारी ने बताया कि चेतन ने शुरू में दावा किया कि वह किले में मौजूद था।

आती हुई मौत से अनजान था केतन

प्रेट्र के अनुसार साजिश के तहत सिया को बैठकर संकेत दिया, जिसके बाद चेतन आया और केतन को धक्का दिया। केतन को इस बात का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि उनकी मौत होने वाली है। इससे पहले वह कुछ समझ पाता उसे खाई में धकेल दिया गया। पुलिस ने दोनों से पूछा कि बेगुनाह की हत्या करने के बजाय वे घर से भाग क्यों नहीं गए। इस पर उनका कहना था कि इससे उनके परिवारों की बदनामी होती। सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेजे गए दो आरोपितों से देर रात तक पूछताछ की गई। मिडडे के अनुसार केतन के पिता

विशाल ने कहा, मेरे बुढ़ापे का सहारा छीन लिया। अगर वह शादी खत्म करना चाहती थी, तो चली जाती। हत्या करने की क्या जरूरत थी। जब तक हर जिम्मेदार व्यक्ति को सजा नहीं मिल जाती, मैं चैन से नहीं बैठूंगा। उन्होंने कहा, केतन ने सिया के व्यवहार को लेकर चिंता जताई थी, लेकिन हमने केतन की चिंताओं को गंभीरता से नहीं लिया, क्योंकि हम उस परिवार पर भरोसा करते थे। केतन के दादा ने कहा, हम गोयल परिवार को लगभग 45 से 50 साल से जानते थे। शादी का प्रस्ताव उनकी तरफ से आया था। हमने सोचा भी नहीं था कि हमारे परिवार पर ऐसी त्रासदी आएगी। वहीं सिया के पिता ने कहा कि इस

अपराध के लिए जो भी ज़िम्मेदार हो उसे उसी तरह किले से नीचे फेंक दिया जाना चाहिए, जिस तरह केतन को धक्का देकर मौत के घाट उतार दिया गया था भले ही वह उनकी बेटी क्यों न हो। चेतन के पिता बाबूलाल चौधरी ने अपने बेटे के समर्थन में सामने आए और कहा कि सिया ने झूठे मामले में फंसाया है। इस बीच, पुणे ग्रामीण पुलिस को इस मामले में अहम गवाह मिला है। चेतन की दुकान पर काम करने वाले नीरज कुमार ने बयान दर्ज कराया है। केतन की मौत की साजिश का पता लगाने में उसका बयान अहम साबित हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

मुहर्रम पर वैशाली प्रशासन अलर्ट, दी कड़ी चेतावनीःSDPO सुबोध कुमार ने कमान संभाली, ड्रोन से मॉनिटरिंग

हाजीपुर। वैशाली में मुहर्रम पर्व और तजिया विसर्जन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। इसी क्रम में सदर एसडीपीओ सुबोध कुमार, बीडीओ मनीष भारद्वाज और थाना प्रभारी रवि प्रकाश के नेतृत्व में सशस्त्र पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया। जिला शांति समिति की बैठक में तजिया विसर्जन करने वाले अखाड़ों से संबंधित प्रशासनिक एहतियात पर पहले ही चर्चा हो चुकी थी। प्रशासन ने इस बार संबंधित अखाड़ों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्णय लिया है। एसडीपीओ सुबोध कुमार ने चेतावनी दी कि सौहार्द बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें 15 से 20 वर्षों तक कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि सभी अखाड़ों के लिए अलग-अलग मानक तय किए गए हैं, जिनके अनुसार ही जुलूस निकाले जाएंगे। यदि कोई भी आपत्तिजनक गाना, शायरी या दूसरे धर्म के खिलाफ भड़काऊ गाना बजाता है, तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। क्षेत्र में जगह-जगह मजिस्ट्रेट की देखरेख में पुलिस बल तैनात रहेगा। इसके अतिरिक्त, तजिया जुलूस की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरों का भी उपयोग किया जाएगा, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से तत्काल निपटा जा सके। मोहर्रम पर्व के अवसर पर वैशाली पुलिस पूरी तरह सतर्क और मुस्तैद है। जिले के सभी इबादतगाहों, संवेदनशील क्षेत्रों और जुलूस मार्गों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस पदाधिकारी स्वयं सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। प्रशासन ने आमजनों से शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ पर्व मनाने की अपील की है। किसी भी आपात स्थिति या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय थाना या पुलिस कंट्रोल रूम को देने का अनुरोध किया गया है, ताकि मोहर्रम पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में संपन्न हो सके।

वैशाली में एसटीएफ ने वांछित आरोपी किया अरेस्ट, आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी और हत्या के 4 मामले दर्ज

हाजीपुर। बिहार STF की विशेष टीम और वैशाली पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वैशाली जिले के एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी उज्जवल कुमार उर्फ मंगल को महिसौर थाना क्षेत्र से पकड़ा गया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट, धोखाधड़ी और हत्या के प्रयास सहित चार मामले दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान देसरी थाना क्षेत्र के नया गांव पूर्वी निवासी पंकज कुमार ठाकुर के पुत्र उज्जवल कुमार उर्फ मंगल के रूप में हुई है। यह जानकारी बिहार एसटीएफ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एसटीएफ और वैशाली पुलिस की संयुक्त छापेमारी में सदर थाना कांड संख्या 265/26 के वांछित आरोपी उज्जवल कुमार उर्फ मंगल को महिसौर थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

उसके पास से एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। गौरतलब है कि बीते 23 अप्रैल को सदर थाना क्षेत्र में बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला के गले से सोने की चेन छीन ली थी। भागने के दौरान स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को पकड़ लिया था, जबकि दूसरा फरार हो गया था। दिघी पूर्वी वार्ड नंबर 25 के अधिवक्ता मृत्युंजय कुमार ने बताया कि उनकी मां हिंदू शर्मा अपने स्टाफ सुजीत कुमार के साथ स्कूटी से सब्जी लेकर लौट रही थीं। तभी पीछे से लाल रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों ने उनकी मां के गले से सोने की चेन झपट्टा मारकर छीन ली। बदमाशों का पीछा करने के दौरान वे सोने की चेन फेंक कर भाग गए। इसी क्रम में दोनों मोटरसाइकिल सवार अनियंत्रित होकर गिर गए। एक बदमाश मौके से फरार हो गया, जबकि दूसरे को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम सुजीत पासवान बताया था। उसने फरार हुए बदमाश का नाम उज्जवल कुमार उर्फ मंगल, पिता पंकज ठाकुर, ग्राम नयागांव, थाना देसरी बताया था।

5 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों की अवधि बढ़ी, यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के मद्देनजर रेलवे का फैसला

हाजीपुर। रेलवे ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पांच जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन अवधि में विस्तार किया है। इसके साथ ही एक जोड़ी स्पेशल ट्रेन के लिए एक अतिरिक्त फेरा चलाने का भी निर्णय लिया गया है। यह फैसला यात्रियों की सुविधा और मांग को पूरा करने के लिए किया गया है। गाड़ी संख्या 09151/09152 उधना-मधुबनी-उधना स्पेशल ट्रेन का परिचालन कोटा, ईदगाह आगरा, प्रयागराज, डीडीयू, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और दरभंगा के रास्ते होता है। अब गाड़ी संख्या 09151 उधना-मधुबनी स्पेशल 31 जुलाई 2026 तक प्रत्येक बुधवार और शुक्रवार को चलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 09152 मधुबनी-उधना स्पेशल 2 अगस्त 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को परिचालित की जाएगी। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 09031/09032 उधना-हसनपुर रोड-उधना स्पेशल ट्रेन भी कोटा, ईदगाह आगरा, प्रयागराज, डीडीयू, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर के रास्ते चलती है। गाड़ी संख्या 09031 उधना-हसनपुर रोड स्पेशल अब 26 जुलाई 2026 तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 09032 हसनपुर रोड-उधना स्पेशल 28 जुलाई 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को परिचालित होगी। डॉ. अम्बेडकर नगर और पटना के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 09343/09344 डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना-डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल का मार्ग इंदौर, उज्जैन, प्रयागराज छिवकी और डीडीयू है। गाड़ी संख्या 09343 डॉ. अम्बेडकर नगर-पटना स्पेशल अब 30 जुलाई 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 09344 पटना-डॉ. अम्बेडकर नगर स्पेशल 31 जुलाई 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को परिचालित की जाएगी। वलसाड और दानापुर के मध्य चलने वाली गाड़ी संख्या 09025/09026 वलसाड-दानापुर-वलसाड स्पेशल भुसावल, जबलपुर, प्रयागराज छिवकी और डीडीयू के रास्ते चलती है। गाड़ी संख्या 09025 वलसाड-दानापुर स्पेशल अब 27 जुलाई 2026 तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी। गाड़ी संख्या 09026 दानापुर-वलसाड स्पेशल 28 जुलाई 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को परिचालित होगी। इसके अतिरिक्त, अहमदाबाद और पटना के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 09447/48 अहमदाबाद-पटना-अहमदाबाद स्पेशल के लिए एक अतिरिक्त फेरा चलाने का निर्णय लिया गया है। गाड़ी संख्या 09447 अहमदाबाद-पटना स्पेशल अहमदाबाद से 1 जुलाई 2026 को चलेगी, जबकि गाड़ी संख्या 09448 पटना-अहमदाबाद स्पेशल पटना से 3 जुलाई 2026 को परिचालित की जाएगी।

निजी अस्पतालों में मरीज भेजने वाले दलालों पर होगी कार्रवाई

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी कुमार गौरव ने शुक्रवार को सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण किया और स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, आईपीडी, इमरजेंसी वार्ड, शिशु वार्ड, मातृ और शिशु अस्पताल (एमसीएच), दवा वितरण केंद्र, आईसीयू और साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। मरीजों से सीधे बातचीत कर फीडबैक भी लिया। निरीक्षण में सामने आई कई खामियों पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए सिविल सर्जन को तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तुर्की से इलाज कराने आए एक मरीज ने डीएम से शिकायत की कि वेटिंग एरिया के चारों पंखे खराब हैं, जिससे भीषण गर्मी में मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी हो रही है। शिकायत मिलते ही जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल सभी पंखे ठीक कराने या नए पंखे लगाने का निर्देश दिया। साथ ही अस्पताल परिसर में पेयजल की समस्या को भी जल्द दूर करने के आदेश दिए। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने कहा कि सरकार के निर्देशानुसार 15 जुलाई के बाद अनावश्यक रेफरल में कमी लानी है। इसके लिए सदर अस्पताल की सुविधाओं को पूरी तरह कार्यशील बनाना होगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल का आईसीयू अभी 10 में से केवल पांच बेड पर संचालित हो रहा है। अगले 15 दिनों के भीतर सभी 10 बेड को चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही मातृ एवं शिशु अस्पताल, मेटरनिटी वार्ड और ऑपरेशन थिएटर को भी पूरी तरह कार्यशील बनाने के निर्देश दिए गए, ताकि मरीजों को बिना जरूरत दूसरे अस्पतालों में रेफर न करना पड़े।

री-नीटः सॉल्वर बिठाने की जांच ईओयू की एसआईटी करेगी

एजेंसी, पटना

NEET UG री एग्जाम में हुए फर्जीवाड़े की जांच तेज हो गई है। इस केस की गंभीरता को देखते हुए आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) बना दी है। SIT को लीड EOU के DIG मानवजीत सिंह ढिल्लो करेंगे। DIG समेत इस स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम में कुल 12 लोग शामिल किए गए हैं, जिसमें EOU के एक SP, 5 DSP और 5 इंस्पेक्टर शामिल हैं। इसके लिए ADG डॉ. अमित कुमार जैन की तरफ से एक आदेश जारी किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, आदेश मिलते ही SIT ने अपना काम शुरू कर दिया है। सबसे पहले NEET एग्जाम को कंडक्ट कराने वाली NTA से कुछ महत्वपूर्ण जानकारी मांगी गई है। एग्जाम देने वाले में कैंडिडेट्स के रॉल नंबर के आधार पर उनका एड्रेस मांगा है। एड्रेस मिलते ही SIT उन कैंडिडेट्स के पास सीधे नोटिस भी भेजेगी, जिनके नाम और पहचान पर दूसरे शातिर एग्जाम देने पहुंचे थे। फर्जीवाड़ा करने वाले कैंडिडेट्स को पूछताछ के लिए बुलाएगी। अगर नोटिस मिलने के बाद कैंडिडेट्स सामने नहीं आए तो फिर टीम सीधे उनके घर पहुंचेगी।

21 जून NEET UG का री-एग्जाम हुआ था। उस दिन लखीसराय जिले में तीन सेंटर पर फर्जीवाड़ा हुआ था। दूसरे कैंडिडेट्स की जगह पर एग्जाम देने पहुंचे 9 सॉल्वर पकड़े गए थे। साथ में अपनी जगह सॉल्वर बैठाने वाला एक मेन कैंडिडेट भी गिरफ्तार हुआ था। इन सब के अलावा एग्जामिनेशन सेंटर पर NTA की तरफ से बायोमैट्रिक सिस्टम का ठेका जिस कंपनी को दिया गया था, सॉल्वर के साथ सांठगांठ के आरोप में 18 लोगों को पकड़ा गया था। इनके दो सहयोगी भी पकड़े गए थे। कुल 30 गिरफ्तारी हुई थी। SIT बायोमेट्रिक का ठेका लेने वाले गिरफ्तार स्टाफ्स से भी पूछताछ करेगी।

MBBS के छात्र चला सॉल्वर गैंगः इधर, री-नीट फर्जीवाड़े की परतें जैसे-जैसे खुल रही हैं, वैसे-वैसे एक ऐसे सॉल्वर सिंडिकेट का चेहरा सामने आ रहा है, जिसे MBBS के छात्र चला रहे थे। केंद्र सरकार ने सख्ती बरतकर पेपर लीक होने से तो रोक लिया, लेकिन बिहार में मेडिकल के छात्रों ने NTA की सुरक्षा में सेंध लगा दी। सॉल्वर सिंडिकेट का सरगना मुजफ्फरपुर का अर्पित यादव है। उसने कोटा में पढ़ाई के दौरान तीन दोस्तों के साथ मिलकर गिरोह बनाया था। री-नीट-यूजी 2026 में बिहार में करीब 200 फर्जी परीक्षार्थियों के बैठाने की प्लानिंग थी। ये मेडिकल स्टूडेंट्स 8 राज्यों से बिहार बुलाए गए। जिनकी जगह पर पेपर देना था, उन कैंडिडेट्स से करीब 50 करोड़ रुपए तक की डील हुई। औसतन हर कैंडिडेट से 40 लाख रुपए लेने थे। ये चौंकाने वाले तथ्य लोकल पुलिस, EOU और अन्य जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में सामने आए हैं। अर्पित ने राजस्थान के कोटा में सॉल्वर गैंग शुरू की थी। वह मेडिकल की तैयारी करने गया था। कोचिंग में उसकी दोस्ती मयंक कुमार, उर्फ अश्विनी कुमार, रंजीत कुमार और रवि शंकर से हुई। चारों ने मिलकर फर्जी परीक्षार्थी बैठाने का खेल शुरू किया।

मुहर्रम के जुलूस को लेकर ट्रैफिक रूट में बदलाव

पटना में अशोक राजपथ-फुलवारी में 2 दिनों तक नहीं चलेंगी गाड़ियां

एजेंसी, पटना

मोहर्रम को लेकर पटना ट्रैफिक पुलिस की ओर से रूट में बदलाव किया गया है। आज यानी शुक्रवार और शनिवार को जुलूस के दौरान अशोक राजपथ, फुलवारी शरीफ के इलाके में बड़े-छोटे गाड़ियों की एंट्री बैन कर दी गई है। पुलिस की ओर से इस दौरान वैकल्पिक रूट के इस्तेमाल की अपील की गई है। जुलूस की शुरुआत होते ही रूट प्रतिबंधित कर दिए जाएंगे। हालांकि, इस प्रतिबंध से एंबुलेंस, अग्निशमन सहित इमरजेंसी सेवाओं वाली गाड़ियों को बाहर रखा गया है।

अशोक राजपथ, फुलवारी शरीफ में वाहनों की एंट्री पर रोकः ट्रैफिक डीएसपी 2 अनिल कुमार ने बताया, 'जुलूस को लेकर यह निर्णय लिया गया है। शुक्रवार और शनिवार दो दिनों तक फुलवारीशरीफ में अनीसाबाद से एम्स तक और अशोक राजपथ में कारगिल चौक-गायघाट-सुलतानगंज- ख़ाजेकला तक बड़े-छोटे वाहनों की एंट्री पर रोक लगाई गई है। अशोक राजपथ में डबल डेकर का भी इस्तेमाल इस दौरान नहीं कर सकते हैं।' अनिल कुमार ने आगे बताया, 'जैसे ही जुलूस निकलने का मैसेज रेगुलेशन पदाधिकारी को मिलेगा, रूट प्रतिबंधित कर दिए जाएंगे।'

रात में शहरी इलाके में ट्रकों की एंट्री पर रोकः इसके अलावा रात में भी शहरी इलाके में ट्रकों की एंट्री पर रोक लगा दी गई है। धनुकी मोड़ से अनीसाबाद की ओर 10 बजे के बाद ट्रकों की एंट्री होती है, उसे भी रोक दिया गया है। इसके लिए संबंधित थानेदारों को भी वरीय अधिकारियों के माध्यम से निर्देशित किया गया है। हालांकि, उन्होंने बताया कि गंगा पथ, महात्मा गांधी सेतु, जेपी सेतु, समेत दूसरे पथ इससे प्रभावित नहीं होंगे। छोटे और निजी वाहन जा सकेंगे।

खाली होने लगा राबड़ी आवास, सरकार ने 29 जून तक का दिया है अल्टीमेटम

एजेंसी, पटना

पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास को खाली करने का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भवन विभाग ने नोटिस के जरिए 29 जून तक वक्त दिया है। राबड़ी आवास को खाली करने का शुरू हो गया है। शुक्रवार को राबड़ी आवास के बाहर और अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों को वहां से हटा दिया गया। इस साथ ही ऑटो से कार्टन अंदर ले जाए जा रहे हैं और सामान पैक करने की तैयारी चल रही है। इधर, लालू परिवार को अलॉट 39, हार्डिंग रोड स्थित नए सरकार आवास में काम तेजी से पूरा कराया जा रहा है। हालांकि, आवास खाली करने की प्रक्रिया कब पूरी होगी और परिवार नए आवास में कब तक शिफ्ट होगा, इस पर आधिकारिक रूप से कोई नई जानकारी सामने नहीं आई है।

भगवा से हरा हुआ राबड़ी देवी का नया सरकारी आवासः राबड़ी देवी के 39, हार्डिंग रोड स्थित नए सरकारी आवास में इन दिनों तेजी से पेंटिंग का काम चल रहा है। इस नए आवास का रंग लालू परिवार की शिफ्टिंग से पहले पूरी तरह बदल दिया गया है। पहले भगवा रंग में नजर आने वाला यह बंगला अब हरे रंग में रंगा दिखाई दे रहा है। हरा रंग राष्ट्रीय जनता दल (RJD) की राजनीतिक पहचान और चुनाव चिन्ह से भी जुड़ा है। ऐसे में बंगले का रंग बदलने को केवल सामान्य पेंटिंग का काम नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है।

तेज रफ्तार ई-रिक्शा से गिरी बुजुर्ग महिला, मौत गुस्साए ग्रामीणों ने शव के साथ सड़क जाम किया

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ अनुमंडल में एक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने शव के साथ सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। लोगों ने आरोपी ड्राइवर पर सख्त कार्रवाई की मांग की। मृतका की पहचान जगमलचक गांव निवासी गुड़िया देवी के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, वह गांव में छोटी दुकान चलाकर परिवार का पालन-पोषण करती थीं।

ई-रिक्शा से गिरने के बाद हुई गंभीर चोटः जानकारी के मुताबिक, बीते शाम गुड़िया देवी ई-रिक्शा से अपने घर लौट रही थीं। ललपुरा गांव के पास तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण वह गाड़ी से गिर गईं, जिससे उनके सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि घटना के बाद ई-रिक्शा ड्राइवर परिजनों को सूचना दिए बिना उन्हें इलाज के लिए बाढ़ अस्पताल ले गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया।

इलाज के दौरान मौत, चालक फरारः परिजनों के मुताबिक, ड्राइवर उन्हें पटना लेकर गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सके बाद आरोपी उनके शव को अस्पताल में लावारिस हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गया। जब काफी देर तक महिला घर नहीं लौटी और परिजनों को घटना तथा मौत की जानकारी मिली, तो परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन तुरंत पटना पहुंचे और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को वापस लाए।

ड्राइवर पर कार्रवाई की मांग

परिजनों की मांग- हत्या का केस दर्ज होः घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। लोगों ने आरोपी चालक की गिरफ्तारी और हत्या का मामला दर्ज करने की मांग उठाई। घटना की जानकारी मिलते ही भदौर थाना पुलिस दलबल के साथ मौके पर पहुंची और लोगों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने निष्पक्ष जांच और कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

गंगा स्नान के दौरान दो दोस्त डूबे, एक का शव मिला, दूसरे की तलाश जारी

एजेंसी, पटना

पटना के बाढ़ थाना क्षेत्र स्थित पोस्ट ऑफिस घाट पर गुरुवार शाम गंगा में नहाने गए पांच दोस्तों में से दो युवक डूब गए। घटना के बाद देर शाम तक स्थानीय गोताखोरों और प्रशासन की टीम ने तलाश अभियान चलाया, लेकिन अंधेरा होने के कारण अभियान रोकना पड़ा। शुक्रवार सुबह दोबारा सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें एक युवक का शव बरामद कर लिया गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है।

गहराई का अंदाजा नहीं लगा, बहाव में बह गए दोनों युवकः जानकारी के मुताबिक, मल्लिक समाज के पांच दोस्त अपने घर से करीब 500 मीटर दूर स्थित घाट पर नहाने पहुंचे थे। नहाने के दौरान गंगा की गहराई और बहाव का सही अनुमान नहीं लग पाने के कारण रोहित और विकास पानी में बह गए और डूब गए। घटना के बाद साथ मौजूद अन्य युवकों ने शोर मचाया, जिसके बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे।

पुलिस और गोताखोरों ने शुरू किया रेस्क्यू अभियानः सूचना मिलते ही रामकृष्ण थाना की पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय गोताखोरों की मदद से खोज अभियान शुरू कराया गया। अगले दिन सुबह फिर से तलाश अभियान शुरू हुआ, जिसमें एक शव बरामद किया गया। दूसरे युवक की तलाश जारी है।

सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवालः घटना उस समय हुई जब गंगा का जलस्तर बढ़ने और कटाव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन सुरक्षा बांध का निर्माण करा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि घाट पर चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग या अन्य सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए थे। प्रशासन को गंगा का जलस्तर बढ़ने की जानकारी पहले से है। इसके बावजूद पोस्ट ऑफिस घाट पर सुरक्षा इंतजामों की अनदेखी की शिकायतें सामने आ रही हैं। जिस घाट को सुरक्षित बनाने के लिए राशि खर्च की जा रही है, वहां न्यूनतम सुरक्षा मानकों का अभाव देखा गया।

पीएमसीएच के प्रिंसिपल ने अपना जला हुआ पेट दिखाया

एजेंसी, पटना

PMCH के प्रिंसिपल डॉक्टर नरेंद्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने अपना जला हुआ पेट दिखाया। उन्होंने कहा, मेरी कोई गुहार न तो निचले स्तर तक सुनी गई, ना मंत्री जी ने सुनी। मैं कल तक प्रिंसिपल था, आज नहीं हूं। मुझे जो पत्र दिया गया, बिना किसी स्पष्टीकरण के दिया गया है। यह तानाशाही रवैया है। मै समझता हूं आने वाले भविष्य में यह अंधेरी गली को खोजा है। जब हमारे जैसे लोगों को ध्वस्त किया जाएगा, तो गरिमा की कोई गारंटी नहीं है। निशांत के प्राइवेट सेक्रेटरी कौशलेन्द्र जी हैं, 100 बार से अधिक कॉल किया किसी ने रिसीव नहीं किया। मैं प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री, प्रत्यय अमृत से गुहार लगता हूं कि मेरे साथ न्याय करें। मंत्री ने कहा कि मैंने उनका फोन नहीं उठाया, हम बीमार पड़े रहेंगे तो फोन उठाएंगे। मेरा घर और क्लीनिक एक ही जगह है, इसलिए मेरी गाड़ी वहां लगी थी। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने PMCH के प्रभारी प्रिंसिपल डॉ. नरेंद्र प्रताप सिंह को उनके पद से हटा दिया है। डॉ. सिंह 23 जून को बिना बताए ड्यूटी से गायब थे। स्वास्थ्य मंत्री ने फोन से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला।

बिहार कांग्रेस में आंतरिक कलह खुलकर सामने आई

एजेंसी, पटना

बिहार कांग्रेस में आंतरिक कलह अब खुलकर सामने आ रही है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह की हालिया टिप्पणियों पर पूर्व विधायक शकील अहमद खान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शकील अहमद खान ने उनके बयानों को अनर्गल और पार्टी को मजबूत करने के बजाय कमजोर करने वाला बताया। उन्होंने अखिलेश सिंह को खुद को आईने में देखने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस पार्टी का कोई भी फैसला किसी राज्य के संदर्भ में होता है। किसे अध्यक्ष बनाना है, किसे सचिव या इंचार्ज बनाना है, ये पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का फैसला होता है। अगर आप इस पर सवाल उठाते हैं, तो यानी कि आप विशेष नेतृत्व के डिसीजन को नकार रहे हैं।' शकील अहमद खान ने आगे कहा, 'अखिलेश सिंह को यह बातें नहीं करनी चाहिए। हमारी पार्टी का यही प्रयास रहा है कि हर वर्ग

को पार्टी स्ट्रक्चर में शामिल किया जाए। ये चीज हमें बिहार विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिली। बिहार चुनाव में इंडिया गठबंधन और एनडीए गठबंधन के वोट परसेंटेज में ज्यादा डिफरेंस नहीं था। 10 हजार रुपए जिस तरीके से घूंस के तौर पर दिया गया था, और इलेक्शन कमीशन कॉम्प्रोमाइज्ड था, इसी के आधार पर रिजल्ट आया। शकील अहमद खान ने आगे कहा, 'वह सोचता है कि वही सब चीज का फैसला करते हैं, तो ये बातें अतिशयोक्ति है। रही बात भागीदारी की तो वह राहुल गांधी ने उठाया है और साझेदारी तो समाज के सामने है।

देव स्नान पूर्णिमा-प्रभु जगन्नाथ 108 घड़ों के पानी से नहाएंगे, 16 को निकाली जाएगी रथयात्रा

एजेंसी, पटना

पटना में 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। उससे पहले 29 जून को देव स्नान पूर्णिमा है। पटना इस्कॉन में इसे लेकर तैयारियां की जा रही है। देव स्नान पूर्णिमा के दिन भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा का गंगा जल के 108 घड़ों से महास्नान कराया जाएगा। सनातन संस्कृति और पुरी की परंपरा के अनुसार, इस रथयात्रा महाउत्सव की शुरुआत स्नान पूर्णिमा से होती है।

14 दिनों के लिए भगवान एकांतवास में जाएंगेः इसके बाद 14 दिनों के लिए भगवान एकांतवास में चले जाते हैं। इस उपचार और विश्राम के बाद भगवान पूरी तरह स्वस्थ होकर 15 जुलाई को एकांतवास से बाहर आएंगे। उसी दिन भगवान का नेत्रोत्सव और नव-यौवन दर्शन होगा। फिर 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। हजारों श्रद्धालु इस रथ की रस्सी को खींचकर पुण्य के भागीदार बनेंगे। शास्त्रों के अनुसार, स्नान पूर्णिमा को ही भगवान जगन्नाथ का प्राकट्य दिवस मनाया जाता है।

स्नान के बाद बीमार हो जाते हैं भगवानः शास्त्रों के अनुसार, देव स्नान पूर्णिमा को स्नान के बाद भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं। इसके बाद वे 14 दिनों के लिए एकांतवास में चले जाते हैं। मान्यता है कि ज्येष्ठ महीने की भीषण गर्मी में अत्यधिक स्नान करने से भगवान जगन्नाथ को तेज बुखार आ जाता है। 14 दिनों के दौरान भगवान को छप्पन भोग नहीं लगाया जाता है। उन्हें केवल आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, काढ़े और फलों के रस का भोग लगाया जाता है। इस अवधि में मुख्य पुजारियों और विशेष सेवकों के अलावा किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं होती है।

इस्कॉन मंदिर में 29 जून को होगी विशेष पूजा

इस्कॉन में 40 फीट ऊंची हाइड्रोलिक सिस्टम से निकलती रथयात्राः इस्कॉन मंदिर से भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाती है। रथ को फूलों से सजाया जाता है, जो विशेष आकर्षण का केन्द्र होगा। 40 फीट ऊंची हाइड्रोलिक सिस्टम से बनी विशिष्ट रथ पर भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। इस रथयात्रा में देश विदेश के भक्त भी शामिल होते हैं। रथयात्रा मार्ग में पुष्पवर्षा के साथ आरती करके भगवान का स्वागत किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक बयान देने के आरोप में मोतिहारी के सिपाही आशिष कुमार तिवारी निलंबित, विभागीय कार्रवाई शुरू

बीएनएम@ मोतिहारी। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में हुई घटना को लेकर सोशल मीडिया पर बिहार पुलिस और बिहार सरकार के विरुद्ध कथित रूप से आपत्तिजनक बयान देने के आरोप में मोतिहारी जिला बल के सिपाही संख्या-647 आशिष कुमार तिवारी को निलंबित कर दिया गया है। उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, सिपाही आशिष कुमार तिवारी ने पदेन कर्तव्यों से इतर जाकर अनुशासनहीनता, मनमानी, स्वेच्छाचारिता और उग्र आचरण प्रदर्शित करते हुए बिहार सरकारी सेवक आचार (संशोधन) नियमावली-2026 का उल्लंघन किया। आरोप है कि उन्होंने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बिहार पुलिस और राज्य सरकार के विरुद्ध आपत्तिजनक बाइट देकर विभाग की छवि धूमिल करने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि आशिष कुमार तिवारी का विभागीय रिकॉर्ड भी विवादित रहा है। वर्ष 2023 में हरपुर थाना के रिजर्व गार्ड में प्रतिनियुक्ति के दौरान उन्होंने कथित रूप से पुलिसकर्मियों के साथ अभद्र व्यवहार किया और चाकू से हमला कर गृहरक्षक सुरेश राम को घायल कर दिया था। इस मामले में विभागीय कार्रवाई के बाद उन्हें एक दंड प्रविष्टि तथा छह माह की वेतनवृद्धि रोकने की सजा दी गई थी। इसके अलावा, वर्ष 2024 में पिपराकोठी थाना में प्रतिनियुक्ति के दौरान उन पर सरकारी पिस्टल से चौकीदार और एक पुलिस पदाधिकारी पर फायरिंग का प्रयास करने का आरोप लगा। इस मामले में पिपराकोठी थाना कांड संख्या-173/24 दर्ज किया गया था तथा उनके विरुद्ध आरोपपत्र न्यायालय में समर्पित किया जा चुका है। विभागीय कार्रवाई में उनकी दो वर्षों की वेतनवृद्धि भी रोक दी गई थी। भोजपुर के बिलौटी प्रकरण में सोशल मीडिया पर दिए गए कथित आपत्तिजनक बयान की जांच पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित), पुलिस केंद्र मोतिहारी से कराई गई। जांच में आरोप प्रथमदृष्टया सही पाए गए। पुलिस का कहना है कि सिपाही को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया, लेकिन उन्होंने कोई स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया। इसके बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई।

तुरकौलिया में 119 लीटर देसी चुलाई शराब जब्त, दो तस्करों की पहचान

बीएनएम@ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर पुलिस ने 119 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की है। कार्रवाई चारगाहा एवं बिजुलपुर पंचायत के खगनी गांव के समीप की गई। मामले में दो तस्करों की पहचान कर पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि झखिया की ओर से एक बाइक पर सवार दो व्यक्ति भारी मात्रा में शराब लेकर खगनी की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस खगनी स्थित बौधी माई स्थान के समीप पहुंची। पुलिस को देखते ही बाइक सवार दोनों तस्कर बाइक पर लदे दो बोरे फेंककर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, फरार तस्करों की पहचान झखिया निवासी दीपक सहनी तथा खगनी निवासी लालबाबू मांझी के रूप में की गई है। जब्त किए गए दोनों बोरों की तलाशी लेने पर 114 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद हुई। वहीं, चारगाहा गांव स्थित एक बांसवारी में छापेमारी के दौरान 5 लीटर देसी चुलाई शराब भी बरामद की गई। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फरार तस्करों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

घोड़ासहन में 226.95 लीटर नेपाली व अंग्रेजी शराब बरामद, तीन बाइक जब्त; तस्करों की तलाश जारी

बीएनएम@ घोड़ासहन। स्थानीय पुलिस ने शराब तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गुप्त सूचना के आधार पर जगीरहा गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में नेपाली एवं अंग्रेजी शराब बरामद की है। इस दौरान तस्करी में प्रयुक्त तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त की गईं। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले तस्कर मौके से फरार हो गए। पुलिस को सूचना मिली थी कि जगीरहा गांव में शराब की एक खेप उतारी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चिन्हित स्थान पर छापेमारी की। पुलिस की भनक लगते ही शराब कारोबारी फरार हो गए, लेकिन मौके से अवैध शराब और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिलें बरामद कर ली गईं। थानाध्यक्ष ने बताया कि छापेमारी में कुल 226.95 लीटर शराब बरामद हुई है। इसमें कस्तूरी की 536 बोतल, रहर की 168 बोतल तथा मैकडॉवेल की 42 बोतल शामिल हैं। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त तीन मोटरसाइकिलें भी जब्त की गई हैं। उन्होंने बताया कि जब्त की गई तीन मोटरसाइकिलों में से दो चोरी की पाई गई हैं। वाहनों के नंबर और अन्य साक्ष्यों के आधार पर फरार तस्करों की पहचान कर ली गई है। उनके विरुद्ध मद्यनिषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का दावा है कि फरार शराब कारोबारियों को जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

नशामुक्त बनाने का संकल्प, प्रशासन और आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन की संयुक्त पहल

बीएनएम@ मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शहर स्थित राजेंद्र भवन में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन एवं जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग, पूर्वी चंपारण के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। कार्यक्रम की थीम "नशा मुक्त भारत अभियान विकसित भारत की पहचान" तथा संदेश "नशा छोड़ो, खुशियां जोड़ो" रहा। इस दौरान जिला प्रशासन के अधिकारियों, समाहरणालय कर्मियों एवं बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेते हुए पूर्वी चंपारण को नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य जिले के नशे से प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों (रेड जोन) में व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाकर युवाओं को नशे से दूर रखना तथा समाज को इस गंभीर समस्या के प्रति जागरूक करना था। अधिकारियों ने कर्मचारियों से अपील की कि वे कार्यालय तक सीमित न रहकर अपने-अपने क्षेत्रों में भी नशा विरोधी अभियान चलाएं। जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ज्ञानेश्वर प्रकाश ने जनसंचार माध्यमों के जरिए नशामुक्ति का संदेश घर-घर तक पहुंचाने पर बल दिया। वहीं सामाजिक सुरक्षा कोषांग के सहायक निदेशक अक्षय कुमार, सहायक प्रशासनिक पदाधिकारी संजय कुमार सिंह तथा जिला समन्वयक (सामाजिक सुरक्षा) राजीव रंजन झा ने प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों को समय की आवश्यकता बताते हुए युवाओं से अभियान से जुड़ने की अपील की। आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन के संस्थापक कफ़ील अहमद आज़ाद ने कहा कि सीमावर्ती जिला होने के कारण पूर्वी चंपारण में युवाओं के बीच नशे का बढ़ता प्रभाव चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि संगठन युवाओं को नशे की दलदल से निकालकर शिक्षा, रोजगार और सामाजिक विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि जिला प्रशासन और युवाओं का यह साझा प्रयास पूर्वी चंपारण को नशामुक्त बनाने की दिशा में ऐतिहासिक साबित होगा।उन्होंने कहा, "जब सरकारी कर्मचारी, युवा संगठन और समाज मिलकर कार्य करेंगे, तब कोई भी क्षेत्र नशे का रेड जोन नहीं रहेगा। कार्यक्रम की सफलता में आज़ाद यूथ ऑर्गेनाइजेशन के सक्रिय सदस्य इमरान, रहमतुल्लाह राही, रोहित एवं सुधांशु की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कार्यक्रम की व्यवस्था, जन-जागरूकता एवं समन्वय में उल्लेखनीय योगदान दिया। कार्यक्रम का समापन सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं युवाओं द्वारा पूर्वी चंपारण को पूर्णतः नशामुक्त बनाने की सामूहिक शपथ के साथ हुआ।

परशुरामपुर में दरवाजे से बाइक चोरी, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम@ तुरकौलिया

थाना क्षेत्र के परशुरामपुर गांव में दरवाजे पर खड़ी एक बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रामपुर चारगाहा निवासी तुफैल साईं की पत्नी अजमेरी खातून ने थाने में आवेदन देकर बताया कि उन्होंने अपनी बाइक परशुरामपुर निवासी उमेश कुमार को बेच दी थी। बाइक खरीदने वाले के दरवाजे पर खड़ी थी, तभी अज्ञात चोर उसे चोरी कर ले गए। पीड़ित पक्ष ने काफी खोजबीन की, लेकिन बाइक का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। थानाध्यक्ष संपत कुमार ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है तथा पुलिस बाइक की बरामदगी और चोरों की पहचान के लिए आगे की कार्रवाई कर रही है।

नशा मुक्ति का संदेश लेकर सड़कों पर उतरा डीएलएसए, जेल में बंदियों को भी किया जागरूक

बीएनएम@ मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए), पूर्वी चंपारण, मोतिहारी द्वारा नशा मुक्ति भारत अभियान के तहत शुक्रवार को जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण तथा केंद्रीय कारा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शहर के गांधी मैदान से एडीआर भवन तक निकाली गई जागरूकता रैली में उत्पाद विभाग, पैनल अधिवक्ताओं, पीएलवी, प्राधिकरण के कर्मियों एवं उत्पाद विभाग के पुलिस अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। रैली के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नशा मुक्त भारत अभियान के समर्थन में शपथ ली। इसी क्रम में केंद्रीय कारा, मोतिहारी में लॉ फाउंडेशन एनजीओ के सहयोग से विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नितिन त्रिपाठी ने बंदियों को नशे के दुष्परिणाम, उससे उत्पन्न सामाजिक एवं कानूनी समस्याओं तथा नशा मुक्ति के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। कारा अधीक्षक विजय अरोड़ा ने भी बंदियों से नशे से दूर रहकर सकारात्मक जीवन अपनाने की अपील की। वहीं, एक मनोचिकित्सक ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए मानसिक रूप से स्वस्थ एवं संतुलित रहने के उपाय बताए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों का उद्देश्य आमजन एवं बंदियों के बीच नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

भारत-नेपाल सीमा पर अतिक्रमण हटाने के डीएम-एसपी के सख्त निर्देश, रक्सौल एयरपोर्ट परियोजना की समीक्षा

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने शुक्रवार को 47वीं एसएसबी कैंप, रक्सौल में एसएसबी कमांडेंट, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी (रक्सौल), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, बीडीओ तथा सीओ के साथ भारत-नेपाल सीमा के वीवीपी-2 के अंतर्गत चल रही विभिन्न परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उक्त बैठक में रक्सौल एयरपोर्ट परियोजना तथा एसएसबी के लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। इस दौरान अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि नो-मैन्स लैंड तथा सीमा से 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में मौजूद सभी अतिक्रमणों को अविलंब हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। इसके लिए एसडीएम, एसडीपीओ एवं सीओ को आवश्यक निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक के बाद डीएम और एसपी ने रक्सौल एयरपोर्ट स्थल तथा सिसवा पंचायत स्थित नो-मैन्स लैंड में बने मंदिर का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि स्थानीय लोगों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर वहां मौजूद संरचनाओं को शीघ्र हटाने की कार्रवाई की जाए। इसके अलावा सैनिक रोड पर स्थित सभी अतिक्रमणों को भी तत्काल खाली कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सीमा सुरक्षा एवं विकास परियोजनाओं के सुचारु क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

नशा मुक्त भारत अभियान के लिए ब्रह्माकुमारी संस्थान को प्रधानमंत्री का प्रशस्ति पत्र, मोतिहारी सेवा केंद्र भी सम्मानित

बीएनएम@ मोतिहारी

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नशा मुक्त भारत अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए देशभर के ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर बधाई दी। इसी क्रम में मोतिहारी के बनियापट्टी स्थित ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्र को भी इस अभियान में सक्रिय सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया। गौरतलब है कि बनियापट्टी सेवा केंद्र के सैकड़ों भाई-बहनों ने पिछले माह लगातार तीन दिनों तक लगभग 50 किलोमीटर की पदयात्रा निकालकर शहर की गलियों, मोहल्लों और चौक-चौराहों पर लोगों को नशा मुक्ति का संदेश दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संदेश में कहा कि उन्हें यह जानकर प्रसन्नता है कि ब्रह्माकुमारी संस्थान पूरे देश में 'नशा मुक्त भारत अभियान' के समर्थन में व्यापक जनआंदोलन चला रहा है। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना और नशा मुक्त भारत के सामूहिक संकल्प को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और आशाएं देश की सबसे बड़ी पूंजी हैं। उन्होंने कहा कि नशे से मुक्त प्रत्येक युवा नवाचार, उद्यमिता और सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। इसलिए देश को नशे के खतरे से मुक्त रखना केवल सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्य भी है। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों का दुरुपयोग केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और देश की प्रगति को भी प्रभावित करता है। ब्रह्माकुमारी संस्थान आध्यात्मिक जागरूकता, मूल्य आधारित शिक्षा, मेडिटेशन तथा जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से स्कूलों, कॉलेजों, गांवों और समुदायों तक नशा मुक्ति का संदेश पहुंचा रहा है, जो अत्यंत सराहनीय है। प्रधानमंत्री ने ब्रह्माकुमारी संस्थान, सहयोगी संगठनों, स्वयंसेवकों एवं अभियान से जुड़े सभी नागरिकों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह जनआंदोलन नशा मुक्त भारत और विकसित भारत के संकल्प को और अधिक मजबूत करेगा। उन्होंने अभियान की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर एसएसबी जवानों ने ली शपथ, निकाली जागरूकता रैली

बीएनएम@ रक्सौल

अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रक्सौल द्वारा नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। कमांडेंट संजय पाण्डेय के मार्गदर्शन में वाहिनी मुख्यालय तथा सभी बाह्य सीमा चौकियों पर शपथ ग्रहण, जागरूकता रैली और जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान जवानों एवं आम नागरिकों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि मादक पदार्थों का सेवन न केवल शारीरिक स्वास्थ्य, जैसे लिवर और फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि मानसिक तनाव, आपराधिक गतिविधियों और पारिवारिक विघटन का भी प्रमुख कारण बनता है। अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज, विशेषकर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। इस अवसर पर वाहिनी मुख्यालय एवं सभी बाह्य सीमा चौकियों के एसएसबी जवानों के साथ नेपाल के एपीएफ (आर्म्ड पुलिस फोर्स) के जवान तथा स्थानीय ग्रामीणों ने भी भाग लिया और नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

आपातकाल की बरसी पर जेपी लोकतंत्र सेनानियों ने मनाया काला दिवस, सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा देने की मांग

बीएनएम@ मोतिहारी

मोतिहारी। 26 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की बरसी पर जेपी लोकतंत्र सेनानी, मोतिहारी के तत्वावधान में राय हरिशंकर शर्मा सभागार में काला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष राय सुन्दर देव शर्मा ने की। वक्ताओं ने कहा कि 26 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल लागू किया गया, जिसके दौरान विपक्षी नेताओं, छात्र नेताओं तथा आंदोलनकारियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। साथ ही प्रेस पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए और नागरिकों के कई संवैधानिक अधिकारों पर रोक लगा दी गई। वक्ताओं ने इसे भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय बताया। सभा में केंद्र सरकार से मांग की गई कि जेपी आंदोलन में भाग लेने वाले लोकतंत्र सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा दिया जाए तथा उन्हें उसी अनुरूप सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। वहीं बिहार सरकार से अन्य राज्यों की तर्ज पर लोकतंत्र सेनानियों को सुविधाएं देने तथा आंदोलन के दौरान भूमिगत रहकर संघर्ष करने वाले एवं विभिन्न धाराओं में जेल गए सेनानियों की पहचान कर उन्हें भी सम्मान योजना से जोड़ने की मांग की गई। कार्यक्रम में अरुण कुमार सिन्हा, शिवचंद्र दूबे, चंदेश्वर प्रसाद सिंह, वृजमोहन खंडेलवाल, सुभाष तिवारी, नंदकिशोर तिवारी, योगेंद्र सिंह, राजेश्वर शर्मा, विजय प्रताप वर्मा, भरथरी प्रसाद, दिनेश प्रसाद सिंह, राजकुमार पांडेय, शंभू शरण श्रीवास्तव, नागेंद्र चौधरी, तारकेश्वर प्रसाद, संगीता चौधरी सहित बड़ी संख्या में जेपी लोकतंत्र सेनानी उपस्थित रहे।

बीरगंज में 5 जुलाई को लगेगा 'रोजगार मेला–2026', युवाओं और नियोक्ताओं को मिलेगा एक मंच

बीएनएम@ रक्सौल/बीरगंज

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ (एफएनसीसीआई), नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ मधेश प्रदेश तथा बीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 5 जुलाई को बीरगंज में 'रोजगार मेला–2026' का आयोजन किया जाएगा। आयोजित प्रेस वार्ता में बताया गया कि यह मेला पारंपरिक रोजगार मेलों से अलग होगा। इसका आयोजन मधेश प्रदेश के स्किल नीड असेसमेंट और श्रम बाजार विश्लेषण के आधार पर किया जा रहा है। इसका उद्देश्य नियोक्ताओं और रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के बीच कौशल संबंधी अंतर को कम करना तथा रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। संघ के अध्यक्ष ने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है और यह रोजगार मेला युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के संयोजक एवं संघ के सहसचिव अनुप अग्रवाल ने बताया कि मेले के माध्यम से नियोक्ता, नौकरी तलाशने वाले, प्रशिक्षण प्रदाता संस्थान और रोजगार सेवा केंद्र को एक ही मंच पर लाकर रोजगार के अवसरों का विस्तार किया जाएगा। मेले में रिक्त पदों की जानकारी, आवेदन प्रक्रिया, उम्मीदवारों का चयन एवं मूल्यांकन, करियर परामर्श, रोजगार मिलान सेवा तथा आवश्यकता के अनुसार प्रशिक्षण के लिए सिफारिश की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह रोजगार मेला अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) नेपाल के रोजगार सेवा केंद्र के सहयोग तथा वीरगंज महानगरपालिका, लीडरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट और एचआर सोसायटी नेपाल–मधेश चैप्टर के सहकार्य से आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि मेले में भाग लेने वाले नियोक्ता संस्थानों, उपलब्ध रोजगार अवसरों तथा पंजीकरण प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी जल्द ही सार्वजनिक की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

पलनवा में मुहर्रम पर दिखी गंगा-जमुनी तहजीब, पांच दशक पुरानी परंपरा कायम

बीएनएम@ रामगढ़वा। पलनवा थाना क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व रविवार को पूरी शांति, सौहार्द और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ। इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकले ताजिया जुलूस में अकीदतमंदों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सत्य, इंसाफ और मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। स्थानीय मुखिया धीरज कुमार ने बताया कि बलजाती बाबा स्थान पर पिछले करीब पांच दशक से मुहर्रम के अवसर पर मेला लगता आ रहा है। उन्होंने कहा कि यहां आज तक कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है और यह पर्व हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल बन चुका है। दोनों समुदाय के लोग मिलकर इस परंपरा को निभाते हैं। मुहर्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जुलूस के दौरान इंस्पेक्टर अनुज कुमार पाण्डेय और थानाध्यक्ष लगातार क्षेत्र का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। थानाध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि थाना क्षेत्र के सभी संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पदाधिकारियों एवं पुलिस बल की तैनाती की गई थी। अपर थानाध्यक्ष सुबोध कुमार, एसआई भीम सिंह, चौकीदार विदया पासवान, उजयन पटेल, संतोष यादव, कमलेश यादव, सुनील कुमार सहित सभी पुलिसकर्मी पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी पर तैनात रहे। प्रशासन की सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से मुहर्रम का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

मोहर्रम को लेकर चिरैया में फ्लैग मार्च, शांति-सौहार्द बनाए रखने की अपील

बीएनएम@ चिरैया। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से चिरैया पुलिस ने गुरुवार को फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च का नेतृत्व सिकरहना डीएसपी अभिषेक कुमार, एसडीओ विजय कुमार तथा चिरैया थानाध्यक्ष अम्बेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। फ्लैग मार्च थाना परिसर से शुरू होकर चिरैया थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से गुजरते हुए संपन्न हुआ। इस दौरान अधिकारियों ने लोगों से मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के साथ मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। पुलिस अधिकारियों ने सोशल मीडिया के दुरुपयोग को लेकर भी लोगों को सतर्क किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि भड़काऊ, आपत्तिजनक अथवा अफवाह फैलाने वाली किसी भी पोस्ट को साझा करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की ओर से मोहर्रम जुलूस में डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध की जानकारी दी गई। साथ ही ताजिया जुलूस के दौरान धारदार हथियारों के प्रदर्शन एवं लहराने पर भी पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनी रहे।

मझौलिया में संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, पति और ससुर गिरफ्तार

बीएनएम@ बेतिया। पश्चिम चंपारण के मझौलिया थाना क्षेत्र के गढ़वा बाजार में एक 20 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसके पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 25 जून की सुबह करीब 6:45 बजे सूचना मिली कि गढ़वा बाजार निवासी रेशमा खातून (20), पत्नी अफरोज आलम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीएमसीएच, बेतिया भेज दिया गया। मृतका के परिजनों के आवेदन के आधार पर मझौलिया थाना कांड संख्या 566/26 दर्ज करते हुए बीएनएस की धारा 80(2)/3(5) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। मामले में नामजद आरोपी पति अफरोज आलम (22) और ससुर खेदु देवान (50), दोनों निवासी गढ़वा बाजार, वार्ड संख्या-7, थाना मझौलिया, को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपितों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मामले की जांच जारी है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष अमर कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक अनुज कुमार ओझा, विवेक कुमार, महताब आलम तथा थाना रिजर्व बल के जवान शामिल थे।

डैम में पानी, लेकिन नहरें सूखीः सांसद

सुधाकर सिंह ने सीएम को लिखा पत्र, सिंचाई व्यवस्था पर उठाए सवाल

बीएनएम@ पटना। बिहार में खरीफ फसलों की बुआई के बीच सिंचाई संकट गहराता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर सांसद सुधाकर सिंह ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य की सिंचाई व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि राज्य के प्रमुख जलाशयों में पर्याप्त पानी उपलब्ध होने के बावजूद नहरों में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है, जिससे धान की रोपाई प्रभावित हो रही है और किसान भारी परेशानी झेल रहे हैं। सांसद ने अपने पत्र में जल संसाधन एवं सिंचाई विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अधिकारियों को इस स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण जलाशयों का पानी समय पर खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि सूखी नहरों में तत्काल पानी छोड़ा जाए और लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाए। सांसद ने सरकार से जलाशयों के गेट खोलकर नहरों में तत्काल पानी प्रवाहित करने की मांग की है, ताकि किसानों को राहत मिल सके।

पटना जंक्शन पर बनेगी हाईटेक स्मार्ट पार्किंग

6000 वाहनों की होगी क्षमता; सितंबर 2026 से शुरू होगा निर्माण

बीएनएम@ पटना। पटना जंक्शन आने वाले यात्रियों को जल्द ही पार्किंग की बड़ी सुविधा मिलने वाली है। भारतीय रेलवे ने दूध मार्केट से जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) तक के क्षेत्र में आधुनिक मल्टी-लेवल स्मार्ट पार्किंग बनाने की योजना तैयार की है। करीब 1.30 लाख वर्गफीट क्षेत्र में विकसित होने वाली इस पार्किंग में लगभग 6000 दोपहिया और चारपहिया वाहनों के खड़े करने की व्यवस्था होगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह पार्किंग अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगी। इसमें सीसीटीवी निगरानी, ऑटोमेटिक टिकटिंग सिस्टम, ईवी चार्जिंग स्टेशन, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षा गार्ड और डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

एनवाईईएफ वीरगंज की वार्षिक आम सभा सम्पन्न, चंदन सिंह के नेतृत्व में नई कार्यसमिति गठित

बीएनएम@ रक्सौल/वीरगंज

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासंघ के अंतर्गत नेपालीज यंग एंटरप्रेन्योर्स फोरम (एनवाईईएफ) वीरगंज चैप्टर की छठी वार्षिक आम सभा (एजीएम) शुक्रवार को वीरगंज स्थित होटल सिद्धार्थ दियालो में संपन्न हुई। आम सभा में चंदन सिंह के नेतृत्व में नई कार्यसमिति का गठन किया गया। चैप्टर के अध्यक्ष विश्वास प्रताप शाह की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ, पर्सा के अध्यक्ष हरिप्रसाद गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि हरिप्रसाद गौतम ने कहा कि देश के आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और निजी क्षेत्र को सशक्त बनाने में युवा उद्यमियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवा उद्यमियों से नवाचार, आधुनिक तकनीक और व्यावसायिक दक्षता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ युवा उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के हर प्रयास में सहयोग करता रहेगा। उन्होंने अनुभवी व्यवसायियों और युवा उद्यमियों के बीच सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और नेटवर्क विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम उद्यमिता के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर ममता विद्यालय के बच्चों ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया। द्वितीय उपाध्यक्ष मोहित गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया। आम सभा में चैप्टर द्वारा वर्षभर संचालित कार्यक्रमों, गतिविधियों और उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। सदस्यों ने प्रतिवेदन पर चर्चा करते हुए आगामी वर्ष की योजनाओं, कार्यक्रमों तथा युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के नए प्रयासों पर विचार-विमर्श किया। इसी अवसर पर आयोजित चुनाव प्रक्रिया के तहत चंदन सिंह के नेतृत्व में नई कार्यसमिति का गठन किया गया। आयोजकों ने बताया कि आम सभा में सदस्यों के बीच सहयोग, अनुभवों के आदान-प्रदान और भविष्य की कार्ययोजना पर सहमति बनाते हुए युवा उद्यमिता को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में वीरगंज उद्योग वाणिज्य संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ उद्योगपति गणेश लाठ, मधेश विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दीपक शाक्य, बासु कर्ण, अरविंद श्रेष्ठ, डॉ. सुबोध गुप्ता, नेपाल इनोवेटिव सोसाइटी के अध्यक्ष कमल चौगाई, सुदीप घिमिरे, पंकज अग्रवाल, मानव सेवा आश्रम के संस्थापक देवेश गुप्ता, अशोक वैद्य, राकेश मिश्रा, शंभु प्रसाद गुप्ता, धीरेंद्र सिंह, माधव राजपाल, अनूप अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सूर्यनारायण बिक ने किया।

रामगढ़वा में अकीदत और शांति के साथ संपन्न हुआ मुहर्रम, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा। रामगढ़वा प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व इस वर्ष पूरी शांति, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस्लाम धर्म में हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मनाए जाने वाले इस पर्व पर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों से ताजिया जुलूस निकाले गए। अकीदतमंदों ने इमाम हुसैन के महान बलिदान को याद करते हुए सत्य, न्याय और इंसानियत के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। मुहर्रम के अवसर पर क्षेत्र में भावनात्मक और श्रद्धापूर्ण माहौल देखने को मिला। जुलूसों में शामिल लोगों ने आपसी भाईचारे और शांति का संदेश दिया। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए स्थानीय पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। रामगढ़वा सर्किल इंस्पेक्टर अनुज कुमार पाण्डेय और थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह के नेतृत्व में संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पुलिस का उद्देश्य जुलूसों को शांतिपूर्वक संपन्न कराना और विधि-व्यवस्था बनाए रखना था। जुलूस के दौरान इंस्पेक्टर अनुज कुमार पाण्डेय और थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह स्वयं लगातार क्षेत्र में पैदल एवं वाहन से गश्त करते रहे। उन्होंने प्रमुख चौक-चौराहों और जुलूस मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की। इस दौरान अपर थानाध्यक्ष सुमित कुमार, एसआई मौलेश्वर सिंह, एसआई रामेश्वर राम, एसआई अमरजीत कुमार तथा चौकीदार सोनू यादव, संजय सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी भी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मुस्तैदी से तैनात रहे। प्रशासन की सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से रामगढ़वा प्रखंड में मुहर्रम का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

भारत-नेपाल सीमा पर दो उज्बेकिस्तानी महिलाएं गिरफ्तार, एसएसबी ने हरैया पुलिस को सौंपा

बीएनएम@ रक्सौल

भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी की 47वीं बटालियन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भारत में रह रही दो उज्बेकिस्तानी महिला नागरिकों को गिरफ्तार किया है। दोनों महिलाओं को हरैया थाना क्षेत्र के कस्टम चौक स्थित मैत्री ब्रिज के पास उस समय पकड़ा गया, जब वे भारत से नेपाल में प्रवेश करने का प्रयास कर रही थीं। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान मखफूजा देखकोनोवा (32), निवासी फेजगाना, जिला क्यूकोन (फरगना), उज्बेकिस्तान तथा मफतुना किलिचेवा (35), निवासी जो'जाओबोड, जिला पयारी, राज्य समरकंद, उज्बेकिस्तान के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि दोनों महिलाएं बिना वैध दस्तावेजों के काफी समय से भारत में रह रही थीं। शुक्रवार को जब वे मैत्री ब्रिज के रास्ते नेपाल जाने की कोशिश कर रही थीं, तभी सीमा पर तैनात एसएसबी जवानों ने संदेह के आधार पर उन्हें रोककर पूछताछ की। दस्तावेजों की जांच में उनके अवैध रूप से भारत में रहने की पुष्टि होने पर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। एसएसबी ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद दोनों महिलाओं को हरैया थाना पुलिस के हवाले कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है तथा संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को भी इसकी सूचना दे दी गई है। थानाध्यक्ष किशन पासवान ने बताया कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों महिलाएं भारत में कब से रह रही थीं, यहां आने का उद्देश्य क्या था और उनके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

'हम ताजिया नहीं, भाईचारा उठाते हैं', पदुमकेर की परंपरा बनी सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल

बीएनएम@ पताही

जहां देश के कई हिस्सों में धर्म के नाम पर तनाव और दूरियों की खबरें सामने आती रहती हैं, वहीं पताही प्रखंड की पदुमकेर पंचायत आज भी गंगा-जमुनी तहजीब और सांप्रदायिक सौहार्द की ऐसी मिसाल पेश कर रही है, जो पूरे समाज के लिए प्रेरणा बन गई है। यहां मोहर्रम के अवसर पर सबसे पहला ताजिया किसी मुस्लिम परिवार का नहीं, बल्कि एक हिंदू परिवार द्वारा निकाला जाता है। वर्षों पुरानी यह परंपरा आज भी पूरी श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ निभाई जा रही है। मोहर्रम के अवसर पर पदुमकेर एवं जिहुली पंचायत सहित पूरे पताही प्रखंड में ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण और भव्य माहौल में निकाला गया। जुलूस में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने कंधे से कंधा मिलाकर हिस्सा लिया और आपसी प्रेम, भाईचारे तथा सामाजिक एकता का संदेश दिया। ग्रामीणों के अनुसार, पदुमकेर गांव के शिव शंकर सिंह का परिवार पीढ़ियों से अपने हाथों से ताजिया तैयार करता आ रहा है। मोहर्रम के दिन परिवार के सदस्य पूरे सम्मान के साथ ताजिया को अपने कंधों पर उठाकर गांव का भ्रमण कराते हुए कर्बला तक ले जाते हैं। इसके बाद मुस्लिम समुदाय का ताजिया जुलूस निकलता है। इस दौरान दोनों समुदाय के लोग मिलकर इस परंपरा का निर्वहन करते हैं और सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश करते हैं। जुलूस के दौरान हिंदू समुदाय के लोगों ने कहा, "हम ताजिया नहीं, भाईचारा उठाते हैं।" यह एक वाक्य ही पदुमकेर की उस सोच को दर्शाता है, जहां धर्म से पहले इंसानियत और आपसी सम्मान को महत्व दिया जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि अंग्रेजी शासनकाल में भी शिव शंकर सिंह के परिवार के नाम ताजिया जुलूस निकालने का लाइसेंस जारी किया गया था, जिसे आज भी परिवार ने सुरक्षित रखा है। यह ऐतिहासिक दस्तावेज गांव की इस अनूठी परंपरा का साक्षी माना जाता है। पदुमकेर की यह परंपरा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, पारस्परिक विश्वास और सांप्रदायिक एकता की जीवंत मिसाल है। ऐसे समय में जब समाज को प्रेम और सौहार्द की सबसे अधिक आवश्यकता है, यह गांव अपने कार्यों से यह संदेश देता है कि जब दिल जुड़ते हैं, तब धर्म नहीं, बल्कि इंसानियत सबसे बड़ी पहचान बन जाती है।

तुरकौलिया में भाईचारे और देशभक्ति के माहौल में संपन्न हुआ मुहर्रम

बीएनएम@ तुरकौलिया

प्रखंड क्षेत्र में मुहर्रम का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और भाईचारे के माहौल में संपन्न हुआ। धार्मिक आस्था के साथ-साथ जुलूस में देशभक्ति का भी अनूठा नजारा देखने को मिला। विभिन्न अखाड़ों के प्रतिभागी हाथों में तिरंगा लेकर जुलूस का नेतृत्व करते हुए भारत की आन, बान और शान का संदेश देते नजर आए। सेमराटोला, सरिसवा, औरैया सेनवरिया, कवलपुर, बलही, शंकरसरैया सहित विभिन्न गांवों से ताजिया जुलूस कतारबद्ध होकर तुरकौलिया चौक पहुंचे। यहां सभी अखाड़ों का मिलान होने के बाद जुलूस कर्बला की ओर रवाना हुआ। सरकारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए युवाओं ने हाथों में लाठी-डंडे लेकर पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया। कवलपुर कर्बला पहुंचने पर विभिन्न अखाड़ों के युवाओं ने अपनी कला और कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सभी लोग शांतिपूर्वक अपने-अपने घर लौट गए। मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। अंचलाधिकारी संतोष कुमार, इंस्पेक्टर डी.के. भारती तथा थानाध्यक्ष संपत कुमार लगातार सुरक्षा व्यवस्था और जुलूस मार्ग की निगरानी करते रहे। वहीं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी शांति व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुखिया अशरफ आलम, पूर्व मुखिया कमरुज्जामा, सरपंच मनोज गुप्ता, पुनदेव सहनी तथा बेबी आलम ने जुलूस के दौरान व्यवस्था बनाए रखने और लोगों के सहयोग में सक्रिय योगदान दिया।

मोहर्रम पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम, हरसिद्धि में डीजे जब्त कर पुलिस ने की कार्रवाई

बीएनएम@ हरसिद्धि

मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए हरसिद्धि थाना क्षेत्र में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। अरेराज डीएसपी रवि कुमार, बीडीओ गुलशन कुमार तथा थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने सशस्त्र पुलिस बल के साथ क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील इलाकों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने हरसिद्धि, बड़ा पकड़िया, गायघाट, रामनगर और सेवरहा सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर मोहर्रम जुलूसों की निगरानी की। इस दौरान उन्होंने लोगों से शांति, सौहार्द और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। इसी दौरान बड़ा पकड़िया गांव में प्रतिबंधित डीजे के साथ जुलूस निकाले जाने की सूचना पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए डीजे को जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि बड़ा पकड़िया निवासी जहीर मियां (पिता-जोश मोहम्मद मियां), वार्ड संख्या-13 द्वारा डीजे बजाकर जुलूस निकाला जा रहा था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और डीजे को जब्त कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मोहर्रम के दौरान जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से शांति एवं आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की गई।

पकड़ीदयाल में हिंदू-मुस्लिम एकता के साथ निकला ताजिया, मोहर्रम पर दिखी गंगा-जमुनी तहजीब

बीएनएम@ पकड़ीदयाल

पकड़ीदयाल प्रखंड में शनिवार को मोहर्रम की 10वीं तारीख पर अकीदत और श्रद्धा के साथ ताजिया जुलूस निकाला गया। 'या हुसैन... या हुसैन' की गूंज के बीच अकीदतमंदों ने कर्बला के 72 शहीदों को याद कर मातम किया। पूरे क्षेत्र में मोहर्रम का पर्व शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। ताजिया जुलूस एवं विभिन्न अखाड़ों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। विशेष रूप से चोरमा पंचायत में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और एकता की अनूठी मिसाल पेश की। दोनों समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे का स्वागत कर गंगा-जमुनी तहजीब का संदेश दिया। मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) मंगला कुमारी एवं डीएसपी कुमार चंदन सुबह से ही पुलिस बल के साथ विभिन्न जुलूस मार्गों का निरीक्षण करते रहे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत दंडाधिकारियों और पुलिस पदाधिकारियों की तैनाती की गई थी तथा प्रशासन पूरे समय स्थिति पर नजर बनाए रहा। प्रशासन की सतर्कता और स्थानीय लोगों के सहयोग से पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर चोरमा पंचायत के पूर्व मुखिया मिनहाज हक, सरपंच प्रतिनिधि बी.एन. दास, डॉ. जेड. खान, नावेद खान, पैक्स अध्यक्ष चंद्रिका राय तथा जयनारायण दास सहित कई लोगों ने ताजिया जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में सक्रिय सहयोग किया।

गहरी यांत्रणा से गुजरना

न्याय होने से पहले न्यूज़क्लिक से जुड़े लोगों को गहरी यांत्रणा से गुजरना पड़ा। एक चलती हुई वेबसाइट मृतप्राय हो गई, दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई, उनमें से बहुतों के यहां छापे पड़े। इनकी भरपाई कैसे होगी? छह साल तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की यांत्रणा झेलने के बाद आखिरकार वेबसाइट न्यूज़क्लिक को इंसाफ मिला। मुकदमा खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने महत्त्वपूर्ण टिप्पणियां कीं। कहा कि न्यूज़क्लिक के खिलाफ ना सिर्फ जारी कार्यवाही दुर्भावनापूर्ण है, बल्कि यह स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता पर मनमाना हमला तथा शक्ति के दुरुपयोग का मामला भी है। ईडी के आरोपों को 'पूर्णतः गढ़ा हुआ और निराधारÓ ठहराते हुए न्यायालय ने कहा कि वेबसाइट के खिलाफ दूर से संकेत देने लायक भी कोई सबूत नहीं पेश नहीं किया गया। जबकि आरोप मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक अधिनियम के तहत लगाया गया था। बुधवार को ही हाईकोर्ट की एक दूसरी बेंच ने जम्मू-कश्मीर के मानवाधिकार कार्यकर्ता खुर्रम परवेज पर यूएपीए के तहत जारी मुकदमे में जमानत दे दी। यह मामला पांच साल पुराना हो चुका है, मगर हाई कोर्ट इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि अभी इसमें मुकदमे की कार्यवाही शुरू होने की दूर-दूर तक संभावना नहीं है। इसलिए उच्च न्यायालय ने 'जेल अपवाद और बेल नियमÓ का सिद्धांत लागू किया। ये दोनों मामले देश में कानून के राज और न्याय की भावना के रोजमर्रा के स्तर पर जारी उल्लंघन की मिसालें हैं। मुद्दा सिर्फ परवेज या उन जैसे लोगों को सताने का नहीं है। सवाल है कि उनके खिलाफ अभियोग पक्ष के पास अकाट्य साक्ष्य हैं, तो न्यायिक कार्यवाही में उन्हें सिद्ध कर कानून सज़ा दिलाने की तत्परता वह क्यों नहीं दिखाता? ऐसा नजरिया क्यों अपनाया गया है, जिससे प्रक्रिया को ही दंड बना देने का अस्वीकार्य चलन अस्तित्व में आया है? यह न्यूज़क्लिक की खुशकिस्मती है कि उस पर मुकदमा चला। बहरहाल, न्याय होने से पहले उसके संपादक एवं अन्य पदाधिकारियों को महीनों जेल में गुजारने पड़े, एक चलती हुई वेबसाइट मृतप्राय हो गई, दर्जनों कर्मचारियों की नौकरी गई, उनमें से बहुतों के घर पर छापे पड़े जिससे उनकी प्रतिष्ठा को भारी क्षति पहुंची। आखिर इन सबकी भरपाई कैसे होगी? अतः क्या अब वक्त नहीं आ गया है, जब निराधार आरोप गढ़ने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए? साथ ही जिनकी जिंदगी अस्थिर और परेशान होती है, उन्हें उचित मुआवजा देने का प्रावधान किया जाए?

जल शक्तिः विकसित भारत की यात्रा को दे रही है गति

सी. आर. पाटिल

क्या आप जानते हैं कि जल जीवन मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम है? या फिर स्वच्छ भारत मिशन दुनिया का सबसे बड़ा ग्रामीण स्वच्छता अभियान है, जिसने लोगों की सोच और व्यवहार में अभूतपूर्व बदलाव लाया है? और क्या आपको पता है कि नमामि गंगे आज दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी नदी पुनर्जीवन योजनाओं में शामिल है?

ये सभी पहल केवल सरकारी योजनाएं नहीं हैं, बल्कि इस बात का उदाहरण हैं कि 145 करोड़ आबादी वाला भारत किस तरह पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

जब इतिहासकार भारत की विकास यात्रा को देखेंगे, तो संभव है कि वे पिछले 12 वर्षों को वह दौर बताएं, जब 'जल' देश के विकास का सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया। मानव सम्मान, आर्थिक विकास, जनस्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण संरक्षण पर पानी जितना प्रभाव डालता है, उतना शायद ही कोई दूसरा क्षेत्र डालता हो। लेकिन कई दशकों तक भारत में जल संबंधी समस्याओं का समाधान अलग-अलग और बिखरे हुए तरीकों से किया जाता रहा। पिछले कुछ वर्षों में सबसे बड़ा बदलाव यह आया है कि इन चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत, गंभीर और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया गया, जिसका नेतृत्व स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया।

पिछले 12 वर्षों में जल क्षेत्र में जितने बड़े पैमाने पर निवेश और काम हुआ है, वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। लेकिन इस बदलाव की अहमियत केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है। आज पानी को पूरे देश की साझा प्राथमिकता माना जा रहा है, जिसमें सभी विभाग, राज्य, समुदाय और आने वाली पीढ़ियाँ भागीदार हैं। पहले जल क्षेत्र को उतनी प्राथमिकता नहीं मिलती थी, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जल क्षेत्र की योजना, प्रबंधन और सेवाओं से जुड़ी वर्षों पुरानी कमियों को दूर करने की जिम्मेदारी उठाई।

इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है। जब यह मिशन शुरू हुआ था, तब केवल लगभग 3.23 करोड़ ग्रामीण परिवारों, यानी करीब 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में ही नल से जल की सुविधा थी। आज 15.8 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों, यानी 81 प्रतिशत से ज्यादा ग्रामीण घरों तक नल से पानी पहुँच चुका है। सरकार का लक्ष्य 2028 तक 100 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों को यह सुविधा उपलब्ध कराना है। लाखों परिवारों, खासकर महिलाओं और बच्चों के लिए यह केवल पानी की सुविधा नहीं है, बल्कि उनके जीवन में आया एक बड़ा बदलाव है।

अध्ययनों के अनुसार, पहले भारत की ग्रामीण महिलाओं को हर साल पानी लाने में अरबों घंटे खर्च करने पड़ते थे। अब घर-घर नल से पानी पहुंचने के कारण हर दिन 5.5 करोड़ से अधिक व्यक्ति-घंटों की बचत हो रही है। जो समय पहले पानी लाने में लगता था, अब उसका उपयोग पढ़ाई, रोजगार, बच्चों की देखभाल और आय बढ़ाने वाले कामों में हो रहा है। साथ ही, सुरक्षित पेयजल मिलने से पानी से फैलने वाली बीमारियाँ कम हुई हैं, जिससे लोगों का इलाज पर होने वाला खर्च भी घटा है। इसी तरह स्वच्छ भारत मिशन ने भी देश में बड़ा बदलाव लाया है। इस अभियान ने दिखाया कि लोगों की सोच में बदलाव, जनभागीदारी और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिलकर बड़े स्तर पर परिवर्तन ला सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आकलन के अनुसार, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की वजह से 2014 से अक्टूबर 2019 के बीच दस्त से होने वाली 3 लाख से अधिक मौतों को रोका जा सका। घर-घर शौचालय बनने से करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को सम्मान, निजता और सुरक्षा मिली। इस तरह स्वच्छता केवल एक सुविधा नहीं रही, बल्कि जनस्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान का एक बड़ा जनआंदोलन बन गई। गांवों को खुले में शौच से मुक्त बनाने के बाद अब देश स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) 2.0 के तहत ठोस और तरल कचरे के वैज्ञानिक एवं टिकाऊ प्रबंधन की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

भारत ने जल संरक्षण और भूजल रिचार्ज के क्षेत्र में भी दुनिया के सबसे बड़े अभियानों में से एक चलाया है। 6 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने सूरत से "जल संचय जन भागीदारी" अभियान की शुरुआत की थी। इसके तहत 31 मई 2026 तक देशभर में 1.55 करोड़ से अधिक वर्षा जल संचयन और भूजल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण किया जा चुका है। यह अभियान दिखाता है कि जल संरक्षण में लोगों की भागीदारी और सामूहिक प्रयास कितने प्रभावी हो सकते हैं।

इन प्रयासों का सकारात्मक असर अब भूजल की स्थिति में भी दिखाई देने लगा है। हाल के आकलनों के अनुसार, देश के कई हिस्सों में भूजल का स्तर बेहतर हुआ है और जिन क्षेत्रों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा था, उनकी संख्या में भी कमी आई है। यह इस बात का प्रमाण है कि लगातार किए गए जल संरक्षण के प्रयास और जनभागीदारी मिलकर पर्यावरण पर बढ़ते दबाव को भी कम कर सकते हैं। साथ ही, भारत ने लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय जल परियोजनाओं को भी तेज़ी से आगे बढ़ाया है। देश की पहली बड़ी नदी जोड़ो परियोजना, केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना, तेजी से आगे बढ़ रही है। इसका उद्देश्य बुंदेलखंड के सूखा प्रभावित क्षेत्रों तक पानी पहुंचाना है। इसके अलावा, राज्यों के भीतर नदियों को जोड़ने की कई परियोजनाओं में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में नमामि गंगे कार्यक्रम ने यह साबित किया है कि पर्यावरण संरक्षण और विकास साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं। पिछले एक दशक में 4,260 मिलियन लीटर प्रतिदिन(एमएलडी) सीवेज शोधन क्षमता विकसित की गई है। अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से निकलने वाला जैविक प्रदूषण (बीओडी) 2017 में 26 टन प्रतिदिन से घटकर 2024 में 10.75 टन प्रतिदिन रह गया है। वहीं, उद्योगों से निकलने वाले गंदे पानी (एफ्लुएंट) का उत्सर्जन भी 349 एमएलडी से घटकर 265.56 एमएलडी हो गया है।

आज निगरानी के आंकड़े बताते हैं कि गंगा नदी में सभी निगरानी केंद्रों पर पानी का पीएच स्तर और घुली हुई ऑक्सीजन (डीओ) स्नान योग्य मानकों के अनुरूप है। इसके अलावा, देशव्यापी आकलन के अनुसार गंगा में लगभग 6,324 गंगा डॉल्फ़िन पाई गई हैं, जो नदी के बेहतर होते पर्यावरणीय स्वास्थ्य का संकेत है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत की जल यात्रा दुनिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण सीख बनकर सामने आई है। 21वीं सदी की जल संबंधी चुनौतियों का समाधान अलग-अलग प्रयासों से नहीं हो सकता। पेयजल, स्वच्छता, नदियों का संरक्षण, सिंचाई की बेहतर व्यवस्था, भूजल रिचार्ज, इस्तेमाल किए गए पानी का दोबारा उपयोग और जलवायु परिवर्तन से निपटने की तैयारी—इन सभी को एक-दूसरे से जुड़ी व्यवस्था के रूप में देखना होगा।

जलवायु परिवर्तन के दौर में यह समग्र दृष्टिकोण और भी ज़रूरी हो जाता है, क्योंकि दुनिया भर में जल संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। भारत के सामने यह चुनौती और भी बड़ी है। दुनिया की लगभग 18 प्रतिशत आबादी भारत में रहती है, लेकिन देश के पास दुनिया के कुल मीठे पानी के संसाधनों का केवल लगभग 4 प्रतिशत ही है।

तेज़ी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगिक विकास और बदलते मौसम के पैटर्न आने वाले वर्षों में इन जल संसाधनों पर और अधिक दबाव डालेंगे। इसलिए आज जल क्षेत्र में किया जा रहा निवेश केवल विकास पर होने वाला खर्च नहीं है, बल्कि देश को भविष्य की चुनौतियों के लिए मजबूत बनाने में किया जा रहा दीर्घकालिक निवेश है। पिछले एक दशक में मिली सफलता यह दिखाती है कि जब निस्वार्थ नेतृत्व, जवाबदेह शासन और जनता की सक्रिय भागीदारी एक साझा राष्ट्रीय लक्ष्य के लिए साथ आते हैं, तो बड़े और सकारात्मक बदलाव संभव हो जाते हैं।

जैसे-जैसे भारत विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहा है, जल उसकी विकास यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। जल सुरक्षित भारत का मतलब केवल सभी को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना नहीं है। इसका अर्थ है महिलाओं का सम्मान, परिवारों का बेहतर स्वास्थ्य, किसानों की अधिक उत्पादकता, शहरों का टिकाऊ विकास और आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण का संतुलन बनाए रखना।

पिछले 12 वर्षों में भारत के जल क्षेत्र में जो बड़ा बदलाव आया है, वह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है। उनके संकल्प ने पानी को केवल एक विकास संबंधी चुनौती नहीं रहने दिया, बल्कि उसे राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत का एक मजबूत माध्यम बना दिया।

आगे की राह में लगातार प्रयास करना आवश्यक होगा। इसमें तकनीक, आंकड़ों और नवाचार की बड़ी भूमिका रहेगी। हमारा लक्ष्य सभी क्षेत्रों में पानी के बेहतर और कुशल उपयोग को बढ़ावा देना, इस्तेमाल किए गए पानी का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण बढ़ाना, स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करना और जल संरक्षण में आम नागरिकों की भागीदारी बढ़ाना है।

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री हैं।)

सौरभ जोरवाल गए, लेकिन छोड़ गए कई सवाल

प्रतीक राजवीर

प्रशासनिक व्यवस्था में अधिकारियों का स्थानांतरण एक सामान्य और आवश्यक प्रक्रिया है। आईएएस, आईपीएस तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के तबादले का उद्देश्य केवल पद परिवर्तन नहीं होता, बल्कि प्रशासन में पारदर्शिता बनाए रखना, भ्रष्टाचार की संभावनाओं को कम करना, अधिकारियों को विविध अनुभव देना और विकास योजनाओं को नई गति प्रदान करना भी होता है। इसी क्रम में पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी रहे सौरभ जोरवाल का हाल ही में स्थानांतरण पटना स्थित साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (SBPDCL) में प्रबंध निदेशक (एमडी) के पद पर हुआ है। उन्होंने अपना नया कार्यभार भी संभाल लिया है। लगभग तीन वर्षों तक मोतिहारी के जिलाधिकारी के रूप में उन्होंने प्रशासनिक दक्षता, विकासोन्मुख सोच और जनसरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की अलग पहचान बनाई। उनके कार्यकाल में मोतिहारी शहर में कई महत्वपूर्ण विकास कार्य हुए। मीना बाजार और मोतीझील के आसपास सरकारी भूमि से वर्षों पुराने अतिक्रमण हटाकर सड़क चौड़ीकरण कराया गया, जिससे शहर को जाम की समस्या से काफी राहत मिली। मोतीझील का जीर्णोद्धार और मरीन ड्राइव का निर्माण भी उनके कार्यकाल की उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल रहा। सौरभ जोरवाल एक ऐसे अधिकारी रहे, जिन्होंने आम लोगों से संवाद को अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाया। जनता दरबार में हर फरियादी की बात धैर्यपूर्वक सुनना, समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रयास करना और नियमित रूप से कार्यालय में उपलब्ध रहना उनकी प्रशासनिक शैली की विशेष पहचान रही। लोकसभा और विधानसभा चुनावों के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन के लिए उन्हें भारत निर्वाचन आयोग की ओर से दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके प्रशासनिक कौशल और नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है। यहीं से एक सवाल भी खड़ा होता है। यह सही है कि मोतिहारी में उनका कार्यकाल पूरा हो चुका था और लंबे समय तक किसी एक जिले में अधिकारी का बने रहना भी उचित नहीं माना जाता। लेकिन क्या इतने अनुभवी और दो-दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित अधिकारी को किसी अन्य जिले की जिम्मेदारी नहीं दी जा सकती थी? क्या उनका अनुभव बिहार के किसी दूसरे जिले के विकास में उपयोगी नहीं हो सकता था? यह पूरी तरह सरकार का अधिकार है कि वह अधिकारियों की तैनाती कहाँ और किस जिम्मेदारी पर करे। फिर भी, एक सामान्य नागरिक और लेखक के रूप में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह पोस्टिंग उनके प्रशासनिक अनुभव और क्षमता के अनुरूप है। कई लोगों के मन में यह धारणा बन रही है कि यह बदलाव अपेक्षित प्रशासनिक भूमिका से अलग दिखाई देता है। अपने कार्यकाल के अंतिम दिन भी सौरभ जोरवाल ने एक अलग उदाहरण प्रस्तुत किया। औपचारिक विदाई समारोहों और सरकारी तामझाम से दूर, वे अपने बच्चों को मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी संग्रहालय लेकर गए। वहाँ उन्होंने उन्हें गांधीजी के संघर्ष और सत्याग्रह की कहानी सुनाई और फिर बेहद सादगी के साथ अपने सहयोगियों से विदा ली। यह दृश्य प्रशासनिक गलियारों में लंबे समय तक याद किया जाएगा। यह प्रसंग मुझे मगध विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. (डॉ.) वीरेंद्र नाथ पांडेय की याद दिलाता है। कार्यकाल समाप्त होने की सूचना मिलने पर उन्होंने बिना किसी औपचारिक विदाई के शांतिपूर्वक अपना कार्यभार सौंप दिया था। उनका मानना था कि किसी अधिकारी के लिए सबसे बड़ा सम्मान विदाई समारोह नहीं, बल्कि उसके अधूरे कार्यों को आगे बढ़ाया जाना होता है। सौरभ जोरवाल ने भी अपने कार्यकाल में जो विकास की दिशा तय की, उम्मीद है कि आने वाला प्रशासन उसे आगे बढ़ाएगा। पूर्वी चंपारण उनके योगदान, कार्यशैली और प्रशासनिक नेतृत्व को लंबे समय तक याद रखेगा। मोतिहारी उनके कार्यकाल को एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में हमेशा स्मरण करेगा।

पॉलिटिकल कंटेंट राइटर, स्नातकोत्तर, जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन,मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज़, फरीदाबाद, हरियाणा

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

बुज़ुर्गों की सेवा का फल : डिजिटल युग में युवाओं के लिए जीवन का सबसे बड़ा संस्कार

वैश्विक स्तरपर आज का युग विज्ञान, तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल क्रांति का युग है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने दुनिया को हमारी हथेली पर ला दिया है। ज्ञान, सूचना और सुविधाओं के असीमित द्वार खुल गए हैं। लेकिन इस तेज़ी से बदलते दौर में यदि कोई मूल्य सबसे अधिक संकट में दिखाई देता है, तो वह है बड़े-बुजुर्गों और माता-पिता के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और सेवा भाव। आधुनिकता आवश्यक है, प्रगति भी आवश्यक है, परंतु यदि प्रगति के मार्ग पर चलते हुए हम अपने संस्कार, अपने बुजुर्गों और अपने माता-पिता को पीछे छोड़ दें, तो वह विकास अधूरा माना जाएगा। भारत सदियों से संस्कारों, पारिवारिक मूल्यों और पीढ़ियों के सम्मान की संस्कृति का वाहक रहा है। हमारे यहां माता-पिता को देवतुल्य माना गया है और बुजुर्गों को अनुभव का चलता-फिरता विश्वविद्यालय कहा गया है। वे केवल परिवार के सदस्य नहीं, बल्कि जीवन के मार्गदर्शक, प्रेरक और संरक्षक होते हैं।

मेष राशिः मेष राशि वालों आज के दिन आप ऊर्जावान रहेंगे। व्यापार से रिलेटेड नई योजनाएं बना सकते हैं, जिससे आपकी आय के स्रोत खुलेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा, निवेश करने के लिए अच्छा समय है, साथ ही आज यात्रा पर जाने के योग हैं। आज आप जीवनसाथी तथा बच्चों के साथ किसी मनपसंद जगह पर घूमने जायेंगे, जिससे आपकी उलझने दूर होगा।

वृष राशिः वृष राशि वालों आपके लिए आज का दिन खुशनुमा रहेगा। आज आपको कुछ नये लोगों से मिलने का अवसर मिलेगा, साथ ही आपको नया प्रोजेक्ट मिलने के योग हैं, जिससे आपके प्रगति के रास्ते खुलेंगे। आज आपके व्यवसाय में बेहतर बदलाव होने की संभावना है, जो आपके आर्थिक स्तर को बेहतर बनाएगा। आज आप बहुत आनंदित रहेंगे।

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज आपका दिन लकी रहेगा। आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस दौरान आप केवल भाग्य के भरोसे न बैठकर अच्छी मेहनत करेंगे। नौकरी में अच्छी सफलता मिलेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। कहीं मनोरंजक यात्रा होने की संभावना है।

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप परिवार के साथ क्वालिटी टाइम बिताएंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। आपके व्यवसाय में लाभ मिलेगा। आय के साधन बढ़ेंगे। व्यापार से जुड़ी यात्रा फायदेमंद रहेगी। इस दौरान आप किसी से अपने व्यापार संबंधी सीक्रेट शेयर करने से बचें। अन्यथा दूसरा फायदा उठा सकता है।

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। स्पोर्ट्स से जुड़े लोग अपनी ट्रेनिंग में पूरी मेहनत लगायेंगे। कूरियर का बिज़नेस कर रहे कारोबारियों को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा फायदा होगा। स्टूडेंट्स आज प्रैक्टिकल को पूरा करने में सीनियर्स की मदद लेंगे। ब्यूटी पार्लर का काम कर रहे लोगों को अपने कस्टमर से प्रशंसा मिलेगी। परिवार की सुख-समृद्धि में इजाफा होगा।

कन्या राशिः कन्या राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा, जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा और आप दोनों के बीच आपसी रिश्ते और अच्छे होंगे। आप दोनों की रुचि धर्म-कर्म के कार्यों में बढ़ेगी। नई नौकरी मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में मेहनत के बल पर सफलता हासिल कर लेंगे। व्यापारी वर्ग को बड़े लाभ के योग हैं। नये साधनों से आय में वृद्धि होगी।

तुला राशिः तुला राशि वालों आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपके द्वारा बनाई गई योजना कारगर साबित होगी। अच्छा धन अर्जित करने में सफल होंगे। किसी तरह का निवेश करने से पहले अपने बड़ों से सलाह अवश्य लेंगे। मल्टीनेशनल कंपनियों में काम करने वाले जातक अपने टीम के सदस्यों के साथ तालमेल बिठाने में धैर्य से काम लें तो अच्छे परिणाम मिलेंगे। किसी प्रोजेक्ट पर साथ काम करने से अच्छा अनुभव भी होगा।

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में चीजें आपके अनुकूल रहेंगी। घर में किसी नए मेहमान के आने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति में बड़े सुधार के योग हैं। आपके पारिवारिक जीवन में सौहार्द बना रहेगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाकर चले, आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आप नौकरीपेशा हैं तो कार्यस्थल पर आपकी स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आपकी पदोन्नति के साथ आपका कार्यभार भी बढ़ेगा। आज आपको आमदनी के बेहतर अवसर मिलने के योग हैं। दांपत्य जीवन में खुशहाली आयेगी। आर्थिक स्तिथि बेहतर बनाने के लिए बड़ों से सलाह ले तो अच्छा रहेगा।

मकर राशिः मकर राशि वालों आपके लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आपके व्यवसाय में विस्तार के साथ आय के स्रोत विकसित होंगे। मैनेजमेंट की पढ़ाई करने वाले छात्रों को आज नई खबर मिल सकती है। जिससे उनका मनोबल ऊंचा होगा और आगे की पढ़ाई में सहयोग मिलेगा।

कुम्भ राशिः कुम्भ राशि वालों आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। कार्य स्थल पर सहकर्मियों के साथ आपका अच्छा बर्ताव आपकी सफलता में सहायक होगा। पदोन्नति के योग बनेंगे। आज आप स्वयं को ऊर्जावान महसूस करेंगे। साझेदारी में व्यापार करने वालों को सफलता मिलेगी। निवेश से लाभ के योग बन रहें हैं।

मीन राशिः मीन राशि वालों आज आपका दिन रोज की अपेक्षा बेहतरीन रहने वाला है। आज ऑफिस के कार्य को पूरा करने के लिए आपको कुछ अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। नया बिजनेस शुरू करने की योजना सफल रहेगी। विद्यार्थी वर्ग पिछले दिनों के छूटे कार्यों को आज पूरा करेंगे। दांपत्य जीवन में चली आ रही अनबन आज खत्म होगी, जीवनसाथी खुश होने की वजह देंगे।

रिफॉर्म एक्सप्रेस के अंतर्गत बढ़ रही न्यायिक सुगमता

अर्जुन राम मेघवाल

न्याय सदा से ही मानव सभ्यता का एक अत्यधिक महत्वपूर्ण और अभिन्न स्तंभ रहा है। हमारी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध परंपरा तथा उसके स्थायी प्रतीक सामूहिक रूप से उन संस्थागत व्यवस्थाओं को दर्शाते हैं जिन्होंने मानव सभ्यता की विकास यात्रा को सही मार्ग पर आगे बढ़ाया, मार्गदर्शन किया और निरंतर आगे बढ़ने में सहायता की। मानव सभ्यता के अनवरत विकास के फलस्वरूप ज्ञान-विज्ञान और तकनीक से समृद्ध आधुनिक समाज में एक-दूसरे से जुड़े व्यक्तियों और समुदायों के आपसी संबंधों में भी विभिन्न विचारों और मतों के कारण परिवर्तन आया है, तथापि, इसमें कोई संदेह नहीं है कि वैज्ञानिक प्रगति और तकनीकी उन्नति ने देश की सीमाओं से आगे जाकर विचारों के निर्बाध आदान-प्रदान को और अधिक सुगम बनाया है। अनादि काल से, एक विचार की दूसरे विचार पर श्रेष्ठता स्थापित करने की होड़ न्यायशास्त्र के विकास की एक मजबूत नींव रही है। युगों से विचारों और मूल्यों के इस अंतर्संघर्ष के बीच न्यायिक संस्थानों ने सत्य, निष्पक्षता और विधि के शासन में लोगों के विश्वास को पुनः स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाई है। इन्होंने एक सेतु का काम किया है जो प्रत्येक संबंधित पक्ष को, यहाँ तक कि उन लोगों को भी जो स्वयं को अलग-थलग महसूस करते हैं, न्याय और सामूहिक कल्याण की एक व्यापक प्रक्रिया से जुड़ाव, विश्वास और सहभागिता का अनुभव कराता है। इसी स्थायी संस्थागत प्रतिबद्धता के कारण एक ऐसी सशक्त व्यवस्था निर्मित होती है जो न केवल न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करती है बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन को सरल और सुगम बनाने के लिए अनिवार्य है। वर्तमान संदर्भ में विकसित भारतीय न्यायशास्त्र ने स्वयं को आधुनिक चुनौतियों और उपलब्ध अवसरों के अनुरूप ढाल लिया है। हमारी संवैधानिक विरासत हमें स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं का स्वप्न साकार करते हुए एक समतामूलक समाज के निर्माण की दिशा में सतत मार्गदर्शन प्रदान करती है। संविधान की प्रस्तावना में निहित न्याय की त्रिवेणी अर्थात राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक न्याय तथा स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आदर्श संस्थाओं और व्यक्तियों दोनों के लिए एक नैतिक दिशासूचक के रूप में कार्य करते हैं। स्वतंत्र भारत को संविधान के रूप में एक आदर्श मार्गदर्शक प्राप्त हुआ जिसने हमारे राष्ट्र की प्रगति की दिशा निर्धारित की। देश की आजादी के बाद यद्यपि हमने राजनीतिक स्वतंत्रता प्राप्त कर ली थी, फिर भी गहरी जड़ें जमा चुकी औपनिवेशिक मानसिकता भारतीय चिंतन और मूल्यों के लिए एक बौद्धिक अवरोध बनी रही। लॉर्ड मैकाले की शिक्षा नीति, उसके बाद भारत के नागरिकों के लिए बनाए गए दंडात्मक कानून तथा विभिन्न नीतियों ने नियमों का एक जटिल जाल बुन दिया, जिसने देश की जनता की स्वतंत्रता को सीमित किया। 19वीं सदी की मानसिकता और 20वीं सदी के कानून 21वीं सदी की आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकते।

हमें अपनी राष्ट्रीय उपलब्धियों पर अपार गर्व है। फिर भी, जब हम मोदी सरकार की बारह वर्षों की विकास यात्रा पर नजर डालते हैं तो शासन व्यवस्था में एक स्पष्ट और सकारात्मक परिवर्तन दिखाई देता है जिसने नागरिकों के जीवन को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। वर्ष 2014 को हमारे देश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में याद किया जाएगा। यह वह वर्ष था जबकि देश में युवाओं की विशाल आबादी को देश के विकास में सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानने वाले तीव्र गति से विकसित हो रहे भारत की पूर्ण क्षमता को साकार करने के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों को और अधिक प्रभावी और सक्षम बनाया गया। देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में संपूर्ण शासन व्यवस्था ने रिफॉर्म एक्सप्रेस से प्रेरित विकास की प्रक्रिया को तेजी से अपनाते हुए सशक्तिकरण की शक्ति का परिचय दिया है। इसकी यात्रा को संक्षेप में इस प्रकार बताया जा सकता है कि यह जमीनी स्तर से 'ईज ऑफ लिविंगÓ को बढ़ावा देने का प्रयास है। साथ ही, राष्ट्र प्रथम के दृष्टिकोण को शीर्ष स्तर से लागू करना भी इसका उद्देश्य है। इसी प्रकार, भारत की न्यायिक सुधारों की यात्रा भी व्यापकता, नवाचार और गहन सामाजिक एवं सभ्यतागत प्रतिबद्धता की एक प्रेरक गाथा रही है। यह एक व्यापक और बहुआयामी दृष्टिकोण को दर्शाती है जिसमें विधायी आधुनिकीकरण, संस्थागत सुदृढ़ीकरण और डिजिटल नवाचार शामिल हैं। 'ईज ऑफ जस्टिसÓ हमारे लिए मात्र एक कथन नहीं है बल्कि यह एक सुधार का मंत्र है जिसमें न्याय के लिए अदालत की शरण में जाने वालों के लिए 'ईज ऑफ इंगेजमेंटÓ, अधिवक्ताओं और न्यायाधिशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंगÓ तथा नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ अंडरस्टैंडिंगÓ शामिल है। न्याय हेतु अदालतों की शरण में जाने वाले नागरिकों की सुविधा के लिए दिशा योजना के तहत टेली-लॉ, न्याय बंधु और प्रो बोनो सेवाओं के विस्तार ने न्याय प्राप्ति को अत्यंत सुलभ और किफायती बना दिया है। कॉमन सर्विस सेंटर के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से संचालित टेली-लॉ कार्यक्रम के तहत ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों के 112 लाख से अधिक लाभार्थियों को अदालतों में मुकदमे दायर करने से पहले मुफ्त कानूनी सलाह प्राप्त करने का लाभ मिला है। ई-फाइलिंग और ई-सेवा केंद्र की सेवाओं ने अदालत में मुकदमा दायर करने वाले व्यक्तियों और न्यायिक व्यवस्था के बीच नियमित संवाद एवं संपर्क को और अधिक सरल बनाया है। आधुनिक प्रौद्योगिकी और सामुदायिक सहभागिता के समन्वय का भारत का यह अनूठा मॉडल वैश्विक स्तर पर एक मानक के रूप में उभरा है।

अधिवक्ताओं और न्यायाधीशों के लिए 'ईज ऑफ वर्किंगÓ को डिजिटल और भौतिक अवसंरचना दोनों में व्यापक विस्तार द्वारा उल्लेखनीय रूप से सुदृढ़ किया गया है। चूंकि जिला एवं अधीनस्थ न्यायपालिका देश के अधिकांश नागरिकों के लिए न्यायिक व्यवस्था का पहला संपर्क बिंदु है, अतः इसे सुदृढ़ करना एक अनिवार्य और व्यावहारिक प्राथमिकता बनी हुई है। इसी दृष्टि से, केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत न्यायालय भवन, अधिवक्ता कक्षों, आवासीय इकाइयों तथा डिजिटल अवसंरचना के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप, देश में न्यायालय भवनों की संख्या वर्ष 2014 के 15,818 से बढ़कर 22,712 हो गई है तथा अत्याधुनिक एकीकृत न्यायालय परिसरों के विकास हेतु वर्ष 2014 के बाद से अब तक 9,400.40 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, 7200 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्यय से शुरू की गई ई-कोर्ट चरण-ढ्ढढ्ढढ्ढ परियोजना का उद्देश्य न्यायालयों को पूर्णतः डिजिटल, पेपरलेस और एआई-सक्षम न्याय वितरण संस्थानों में परिवर्तित करना है। विडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं, वर्चुअल कोर्ट और अदालती कार्यवाही की लाईव स्ट्रीमिंग जैसी पहलों ने न्यायपालिका को लोगों के और करीब ला दिया है तथा न्याय वितरण को अधिक सुलभ, पारदर्शी और कुशल बनाया है। भारत जैसे भाषाई विविधता वाले देश में नागरिकों के लिए 'ईज ऑफ अंडरस्टैंडिंगÓ का होना 'ईज ऑफ जस्टिसÓ के व्यापक ढांचे का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट विधिक अनुवाद सॉफ्टवेयर और भाषिणी जैसे एआई- संचालित नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग उपकरण उच्चतम न्यायालय के निर्णयों एवं आदेशों का 18 भारतीय भाषाओं में अनुवाद कर रहे हैं, जिससे आम जनता के लिए कानूनी जानकारी अधिक सुलभ हो रही है। इस प्रयास को और अधिक सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय न्यायिक डेटा ग्रिड जो एक सांख्यिकीय एवं विश्लेषणात्मक मंच है, 340 मिलियन से अधिक अदालती आदेशों एवं उनसे संबंधित जानकारियों के विश्लेषण तक एक क्लिक में पहुंच प्रदान करता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

महिला टी20 विश्व कप: ब्रिट्स के पहले टी20 शतक से दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को 88 रन से हराया

एजेंसी, ब्रिस्टल

ताजमिन ब्रिट्स के शानदार पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप ए मुकाबले में भारतीय समयानुसार शुक्रवार को नीदरलैंड को 88 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल की उम्मीदें मजबूत करते हुए चार मैचों में छह अंक हासिल कर लिए और अंक तालिका में भारत के बराबर पहुंच गया।

हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत अभी भी दूसरे स्थान पर बना हुआ है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स ने नाबाद 114 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 45 और एनेरी डर्कसन ने मात्र 16 गेंदों में 37 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ब्रिट्स और वोल्वार्ड्ट ने पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। 209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड ने तेज शुरुआत की और पावरप्ले में बिना विकेट खोए 50 रन बना लिए। फीबे मोल्केनबोअर ने 41 और सान्या खुराना ने 36 रन बनाए, लेकिन इसके बाद पूरी टीम लड़खड़ा गई। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी के सामने नीदरलैंड की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन तक ही सिमट गई। अयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लिए, जबकि क्लोई ट्रायन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। इस जीत के बाद ग्रुप ए से दूसरे सेमीफाइनलिस्ट की लड़ाई और भी रोमांचक हो गई है। इंग्लैंड पहले ही अंतिम चार में जगह बना चुका है। दक्षिण अफ्रीका अपने अंतिम लीग मुकाबले में 28 जून को बांग्लादेश से भिड़ेगा, जबकि उसी दिन भारत का मुकाबला मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम से होगा, जो सेमीफाइनल की तस्वीर तय करेगा।

एफआईएच प्रो लीग: शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को हराया

एजेंसी, लंदन

एफआईएच प्रो लीग 2026 के यूरोपीय दौरे में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लैंड ने बोनस अंक अपने नाम कर लिया। भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इंग्लैंड की ओर से डेविड गुडफील्ड ने 29वें मिनट और निकोलस बंडुराक ने 56वें मिनट में गोल किए।

मुकाबले की शुरुआत भारत ने आक्रामक अंदाज में की। 10वें मिनट में मनदीप सिंह के शानदार पास पर दिलप्रीत सिंह ने डाइव लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंचा, लेकिन इंग्लैंड के रक्षक थॉमस सोर्सबी ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया। इसके बाद 29वें मिनट में डेविड गुडफील्ड ने फील्ड गोल कर इंग्लैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन मजबूत रक्षण के चलते कोई भी गोल नहीं हो सका। चौथे और अंतिम क्वार्टर में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा और 56वें मिनट में निकोलस बंडुराक ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि भारत ने हार नहीं मानी और दो मिनट बाद सुमित के शानदार मूव पर दिलप्रीत सिंह ने जोरदार शॉट लगाकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया।

शूटआउट में इंग्लैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। थॉमस सोर्सबी, जेम्स अल्बरी और कप्तान जैकरी वालेस ने अपने प्रयास सफल किए। एक पेनाल्टी स्ट्रोक भी इंग्लैंड को मिला, जिसे वालेस ने गोल में बदल दिया। भारत की ओर से केवल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ही शूटआउट में गोल करने में सफल रहे। इस हार के साथ भारत को एक अंक मिला, जबकि इंग्लैंड ने शूटआउट जीतकर बोनस अंक हासिल किया। भारतीय टीम अब अपने अगले मुकाबले में 26 जून को भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे पाकिस्तान से भिड़ेगी।

रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन कर भारतीय टीम में वापसी करना चाहते हैं आवेश

एजेंसी, मुम्बई

पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज आवेश खान का लक्ष्य अब रणजी ट्रॉफी मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर टीम में जगह हासिल करना है। आवेश ने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम मैच दो साल पहले खेला था। उसके बाद से ही वह टीम में वापसी करने में असफल रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने अपने करियर की शुरुआत में लगातार 140 किमी/घंटा से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा था पर लगातार चोटिल होने से वह टीम

में अंदर-बाहर होते रहे। वहीं अब वह वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं और इस सत्र में रणजी ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं का ध्यान खींचना चाहते हैं। आवेश इस सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीए) में भी प्रभावित नहीं कर पाये जिसका नुकसान उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स को भी हुआ। वह आजकल मध्य प्रदेश टी20 लीग में चंबल घड़ियाल टीम से खेल रहे हैं। 29 वर्षीय आवेश पिछले साल आईपीएल के बाद घुटने की सर्जरी के कारण घरेलू सत्र नहीं खेल पाए थे। अब पूरी तरह फिट होने के बाद वे पूरा घरेलू सीजन खेलना चाहते हैं और अपनी टीम मध्य प्रदेश को रणजी ट्रॉफी जिताना चाहते हैं। आवेश ने एक कहा, पिछले साल में फिट नहीं होने के कारण घरेलू सत्र से बाहर रहा था पर इस साल मैं पूरा घरेलू सीजन खेलने की कोशिश कर रहा हूं। उन्होंने आगे कहा, मैं लाल गेंद क्रिकेट खेलना चाहता हूं।

अब मुम्बई की प्रतिभाओं को निखारेंगे संदीप पाटिल

एजेंसी, मुम्बई

पूर्व क्रिकेट ओर चयन समिति के अध्यक्ष रहे संदीप पाटिल अब उभरती हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को निखारेंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने पाटिल को आगामी 2026-27 घरेलू सीजन के लिए सीनियर और आयु वर्ग की पुरुष टीमों का मेंटर बनाया है। एमसीए को उम्मीद है कि पाटिल के लंबे अनुभवों का लाभ उभरती हुई प्रतिभाओं को मिलेगा। जिससे एक बार फिर मुंबई की टीम अपना

पुराना गौरव हासिल करेगी। मुम्बई ने भारतीय क्रिकेट को सुनील गावस्कर से लेकर सचिन तेंदुलकर तक कई सितारे दिये हैं पर पिछले कुछ साल से यहां से कोई भी असाधारण प्रतिभा सामने नहीं आयी है। जिससे देखते हुए एमसीए ने पाटिल का अब मेंटर की जिम्मेदारी दी है। एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने पाटिल अब मुंबई क्रिकेट के विभिन्न स्तरों पर खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करेंगे और घरेलू सत्र की तैयारियों में एक निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

आज चमचमाती ट्रॉफी के लिए चंबल घड़ियाल्स और रॉयल निमाड़ ईगल्स में होगी भिड़ंत

एजेंसी, इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2026 के दोनों सेमीफाइनल मुकाबलों के रोमांचक अंत के बाद अब खिताबी जंग की तस्वीर पूरी तरह साफ हो चुकी है। इंदौर के ऐतिहासिक होलकर स्टेडियम में आज यानी शुक्रवार, 26 जून को शाम 7:30 बजे चमचमाती ट्रॉफी के लिए रॉयल निमाड़ ईगल्स और चंबल घड़ियाल्स के बीच महामुकाबला खेला जाएगा। जहां पहले सेमीफाइनल में इंद्रदेव की कृपा से निमाड़ को फाइनल का टिकट मिला, वहीं दूसरे सेमीफाइनल में चंबल घड़ियाल्स ने आखिरी

ओवर के सांसें रोक देने वाले रोमांच में जीत दर्ज की।

पहला सेमीफाइनल : रीवा के अरमानों पर इंद्रदेव का वार, रॉयल निमाड़ ईगल्स फाइनल में : पहले सेमीफाइनल में बारिश ने रीवा जगुआर्स की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। नॉकआउट मुकाबला लगातार तेज बारिश के कारण रद्द घोषित कर दिया गया, जिसके बाद टूर्नामेंट के नियमों के तहत लीग चरण की बेहतर अंक तालिका के आधार पर रॉयल निमाड़ ईगल्स ने फाइनल में प्रवेश कर लिया।

मुकाबले में रॉयल निमाड़ ईगल्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी थी। बल्लेबाजी करने उतरी रीवा जगुआर्स की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम 7.2 ओवर में 4 विकेट खोकर सिर्फ 41 रन ही बना सकी थी कि तेज बारिश आ गई। रीवा के कप्तान पृथ्वीराज सिंह तोमर ने एक छोर संभालते हुए 22 गेंदों में 25 रन (5 चौके) बनाए, जबकि मोहम्मद अरहम आकिल ने 9 रन जोड़े।

बिजनेस

भारत ने आइसलैंड में लगाई आम की प्रदर्शनी

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने आइसलैंड में अपने प्रीमियम आमों के निर्यात को बढ़ाने के लिए पहली बार भारतीय आमों की विभिन्न किस्मों की प्रदर्शनी आयोजित है जिसमें दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार को मजबूत करने के मौकों पर जोर दिया गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि ये कार्यक्रम आइसलैंड की राजधानी रेक्याविक स्थित भारतीय दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से 24 जून को रेक्याविक तथा 25 जून को उत्तरी आइसलैंड के अक्यूरेरी में पहली बार भारतीय आम के प्रोत्साहन का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें दशहरी, चौसा, लंगड़ा और केसर किस्म के भारतीय आमों की समृद्ध विविधता और उनके निर्यात की अपार

संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर भारतीय राजदूत आर. रवीन्द्र ने भारत की विश्व-प्रसिद्ध आम की विभिन्न किस्मों की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला, और आइसलैंड में भारतीय आमों के निर्यात के विस्तार की व्यापक संभावनाओं पर जोर दिया। इसके साथ ही भारतीय दूतावास की द्वितीय सचिव सुश्री अनिशा तोमर ने भारत में आम उत्पादन पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है। वहीं, आइसलैंड के विदेश मंत्रालय में व्यापार समझौता निदेशक स्वेन के. एइनार्सन ने भारत–ईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) से मिलने वाले अवसरों और उसके माध्यम से आइसलैंड में भारतीय आमों के आयात को बढ़ावा मिलने की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन द्वारा स्थानीय उपभोक्ताओं के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी सामने आई कि आइसलैंड के लोग आम काफी पसंद करते हैं और विशेष रूप से स्मूदी, डेज़र्ट (मिष्ठान) तथा फ्रूट सलाद में उनका सेवन करना पसंद करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि आइसलैंड के बाजार में भारतीय आमों के लिए पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में आइसलैंड मुख्य रूप से थाईलैंड, ब्राजील, कंबोडिया, घाना और पेरू से आमों का आयात करता है। वैकल्पिक आपूर्तिकर्ताओं की सीमित उपलब्धता के कारण इन देशों के आमों ने आइसलैंड के बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाई है। वर्ष 2025 में आइसलैंड ने लगभग 33 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य के आमों का आयात किया, जिसमें से लगभग 10 लाख अमेरिकी डॉलर मूल्य के आम केवल थाईलैंड से आयात किए गए थे।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के 'बहुत करीब', लेकिन टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा भारत: गोयल

- कहा-अमेरिका के साथ ट्रेड डील तब तक लागू नहीं होगी, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले टैरिफ लाभ नहीं मिलता

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लंदन में में कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील तब तक लागू नहीं होगी, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले टैरिफ लाभ नहीं मिलता। हालांकि, गोयल ने यह कहा कि भारत और अमेरिका ट्रेड डील 'बहुत करीब' है, लेकिन भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा। गोयल ने लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) यूके-इंडिया वीक को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर आगे बढ़ने से पहले भारत इस पर स्पष्टता चाहता है कि मैन्युफैक्चरिंग के मामले में वह प्रतिस्पर्धा करने वाली

दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले अपनी बढ़त को कैसे बनाए रखेगा। उन्होंने कहा, ''हमें यह पक्का करना है कि हमें उन देशों के मुकाबले कॉम्पिटिटिव फायदा मिले जो विकास के उसी चरण में हैं या जिनकी कॉस्ट स्ट्रक्चर भारत जैसी ही है। चाहे वह वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन हो, या बांग्लादेश, श्रीलंका और हमारे सभी पड़ोसी देश हों।'' इस बीच भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी कहते हैं, "ये मामला तकनीकी नहीं है। मुझे लगता है कि भारत का रुख यह रहा है कि 'हमें प्रेफरेंशियल टैरिफ (वरीयता वाला टैरिफ) चाहिए', यानी हमें अपने पड़ोसियों के मुकाबले कम टैरिफ दिया जाए क्योंकि इससे हम ज्यादा कॉम्पिटिटिव (प्रतिस्पर्धी) बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि बात 10 फीसदी या 20 फीसदी की नहीं है, बल्कि असल बात पड़ोसियों से कम टैरिफ पाने की भी है। यह एक राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है, क्योंकि अभी भारत पर टैरिफ 12.5 फीसदी है और पाकिस्तान पर 10 फीसदी। भारत का कोई भी राजनीतिक दल या नेता इसे स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि इससे मूल रूप से उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी ने आगे कहा कि इसलिए, इस मसले को सुलझाना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यहीं पर ट्रंप प्रशासन विचार-विमर्श करेगा और देखेगा कि कैसे कोई ऐसा समाधान निकाला जाए जो भारत और अमेरिका, दोनों के लिए फायदेमंद हो।" भारत और अमेरिका के बीच इसी हफ्ते नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में हुई दो दिवसीय मंत्री स्तरीय बैठक में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के मुख्य मुद्दों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस बैठक में केंद्रीय वाणिज्य एवं उदयोग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर के प्रतिनिधिमंडल इसमें शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में दोनों पक्षों ने 24 फरवरी को अमेरिका द्वारा अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए 10 फीसदी के अस्थायी टैरिफ की समय-सीमा खत्म होने से पहले बातचीत को अंतिम रूप देने पर व्यापक विचार-विमर्श किया। ये टैरिफ 24 जुलाई को खत्म हो जाएंगे। इस समझौते के लिए रूपरेखा इस साल फरवरी में घोषित की गई थी।

मुहर्रम के मौके पर शेयर बाजार में छुट्टी, कमोडिटी सेगमेंट में शाम के सत्र में होगा कारोबार

एजेंसी, नई दिल्ली

मुहर्रम के मौके पर घरेलू शेयर बाजार में आज छुट्टी है। इस छुट्टी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में आज कोई कारोबार नहीं होगा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की तरह ही मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में भी मुहर्रम की छुट्टी होने की वजह से दिन के पहले सत्र में यानी सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक कारोबार नहीं होगा। हालांकि एमसीएक्स में शाम पांच बजे से रात 11:30 तथा 11:55 बजे तक दूसरे सत्र में सामान्य कारोबार होगा। स्टॉक एक्सचेंज द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार मुहर्रम की छुट्टी होने के कारण बीएसई में इक्विटी सेगमेंट, इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, न्यू डेट सेगमेंट- रिपोर्टिंग, सेटलमेंट एंड ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (एनडीएस-आरएसटी), ट्राई पार्टी रेपो सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर), कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में दिन के सत्र में कारोबार नहीं होगा, लेकिन इनके लिए शाम के सत्र में शाम पांच बजे से रात 11:30 तथा 11:55 बजे तक सामान्य कारोबार होगा। इसी तरह एनएसई में भी मुहर्रम की छुट्टी होने के कारण इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स,

निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स, कमोडिटी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी। कमोडिटी डेरिवेटिव्स को छोड़ कर इन सभी में आज कोर्ई कारोबार नहीं होगा। कमोडिटी डेरिवेटिव्स में सुबह के सेशन में ट्रेडिंग बंद रहेगी, लेकिन शाम के सत्र में शाम पांच बजे से रात 11:30 तथा 11:55 बजे तक सामान्य कारोबार होगा। स्टॉक मार्केट के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार जून में आज मुहर्रम की छुट्टी के बाद शनिवार और रविवार की साप्ताहिक छुट्टी को छोड़ कर और कोई छट्टी नहीं है।

जून के बाद जुलाई और अगस्त में भी स्टॉक मार्केट में साप्ताहिक छुट्टियों के अलावा और कोई छुट्टी नहीं होगी। सितंबर के महीने में 14 तारीख को गणेश चतुर्थी की छुट्टी होगी। इसके बाद अक्टूबर के महीने में दो तारीख को महात्मा गांधी जयंती के कारण स्टॉक मार्केट में कोई कारोबार नहीं होगा। इसी महीने 20 तारीख को स्टॉक मार्केट में दशहरा की छुट्टी होगी, जबकि 10 नवंबर को बलि प्रतिपदा के कारण स्टॉक मार्केट में छुट्टी रहेगी। नवंबर के महीने में 24 तारीख को श्री गुरु नानक देव गुरु परब की छुट्टी रहेगी। इसी तरह साल के आखिरी महीने दिसंबर में 25 तारीख को क्रिसमस की छुट्टी रहेगी। इस साल स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त शनिवार के दिन रहने वाला है। इसी तरह दिवाली आठ नवंबर को रविवार के दिन होगी। शनिवार और रविवार होने की वजह से इन दोनों दिनों को स्टॉक मार्केट के हॉलिडे कैलेंडर में शामिल नहीं किया गया है। दिवाली के दिन रविवार होने के बावजूद स्टॉक मार्केट में मुहूर्त ट्रेडिंग होगी।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में गिरावट जारी, पश्चिम एशिया का युद्ध शुरू होने के पहले के स्तर पर पहुंची कीमत

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को पूरी तरह समाप्त करने के लिए अलग-अलग चैनल्स के जरिए हो रही बातचीत जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत भी नरम होती जा रही है। कच्चा तेल पहली बार पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने यानी 28 फरवरी के पहले वाले स्तर पर लौट आया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड और डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों की कीमत युद्ध शुरू होने के पहले वाले स्तर पर आ गई है। पश्चिम एशिया में युद्ध की शुरुआत होने के बाद से कच्चे तेल की कीमत में जबरदस्त तेजी का रुख बन गया था। दोनों पक्षों द्वारा ऑयल इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करने, खाड़ी

के देशों में कच्चे तेल का उत्पादन बाधित होने और होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते कच्चे तेल की सप्लाई ठप पड़ जाने की वजह से 30 अप्रैल को ब्रेंट क्रूड 126 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि अब पश्चिम एशिया में तनाव घटने का संकेत मिलने के कारण कच्चे तेल की कीमत में ऊपरी स्तर से लगभग 42 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के पहले 27 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। आज 27 फरवरी के बाद पहली बार ब्रेंट क्रूड 73 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे चला गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड आज 69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से भी नीचे पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड ने आज 73.25 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। कारोबार की शुरुआत होने के बाद इसकी कीमत में गिरावट आने लगी। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 8:45 बजे ब्रेंट क्रूड 72.12 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक चला गया था। हालांकि बाद में इसके भाव में तेजी का रुख भी बना।

फिल्म

एडवांस बुकिंग में वेलकम टू द जंगल का तगड़ा धमाका, अक्षय कुमार की फिल्म ने रिलीज से पहले ही कमाए 1 करोड़

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल ने एडवांस बुकिंग में बंपर कमाई कर ली है. फिल्म ने रिलीज से पहले ही एक करोड़ का कलेक्शन कर लिया है. वेलकम टू द जंगल का पेड प्रीव्यू 25 जून की शाम में हो रहा है. पेड प्रीव्यू और ओपनिंग डे दोनों की बुकिंग को मिलाकर फिल्म ने एक करोड़ कमा लिए हैं. ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला ने बताया है, 24 जून की सुबह तक फिल्म ने एक करोड़ कमा लिए हैं. ये बुकिंग पेड प्रीव्यू और इसके ओपनिंग डे दोनों के ही हैं. रमेश बाला ने ये दावा किया है. आपको बता दें कि इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ रवीना टंडन, सुनील शेट्टी, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी, अरशद वारसी, तुषार कपूर, परेश रावल, राजपाल यादव, जॉनी लीवर सहित करीब 30 बॉलीवुड स्टार्स नजर आने वाले हैं. ट्रेलर रिलीज के बाद से ही फिल्म को लेकर पॉजिटिव माहौल है. फिल्म के गाने भी पंसद किए जा रहे हैं. अहमद खान ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है. 26 जून को इस फिल्म को सोलो रिलीज मिली है. ऐसा प्रीडिक्शन है कि इस फिल्म को रिकॉर्ड ओपनिंग मिलने वाली है. थियेटर में फिलहाल शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका की फिलम कॉकटेल 2 चल रही है. ये फिल्म बंपर कमाई भी कर रही है.

इसने पांच दिनों में 106 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. ऐसे में वेलकम टू द जंगल के रिलीज से इस फिल्म को नुकसान हो सकता है. इसके अलावा दिलजीत दोसांझ की मैं वापस आउंगा फिल्म भी ठीकठाक कलेक्शन कर कर रही है. अगर वेलकम टू द जंगल फिल्म अच्छी चली तो इन फिल्मों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है. सेंसर बोर्ड ने इस फिल्म में करीब 18 कट्स लगाए हैं. फिल्म से दिशा पाटनी और जैकलीन के कुछ सेंसुअल सीन्स को भी हटा दिया गया है. कुछ विवादित शब्द भी हटाए गए हैं. सेंसर बोर्ड से फिल्म को यूए16+ सर्टिफिकेट मिला है और सारे बदलाव के बाद फिल्म का रनटाइम 164.50 मिनट (यानी 2 घंटे, 44 मिनट और 50 सेकंड) का है.

बेहद हसीन दिखती हैं ईठा एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर, इंडियन हो या वेस्टर्न हर लुक में लगती हैं कमाल

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ईठा को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं. इस बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म में श्रद्धा तमाशा कलाकार, लावणी डांसर और लोक गायिका विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका निभा रही हैं. श्रद्धा अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश अंदाज को लेकर भी लगातार चर्चा में रहती हैं.फिल्म ईठा का धमाकेदार टीजर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है. श्रद्धा कपूर ने एक बार फिर अपनी शानदार एक्टिंग से सबको हैरान कर दिया है.

फिल्मों में शानदार एक्टिंग के साथ-साथ श्रद्धा कपूर अपने ग्लैमरस और स्टाइलिश अंदाज से भी फैंस का दिल जीतती रहती हैं. उनका हर लुक सोशल मीडिया पर छा जाता है. फैंस उनकी खूबसूरती पर दिल हार बैठते हैं. श्रद्धा कपूर बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस में से एक हैं. वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल, श्रद्धा हर स्टाइल को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं. श्रद्धा की सादगी और चार्म ही उन्हें बॉलीवुड की बाकी एक्ट्रेसेस से अलग बनाता है. उनका फैशन सेंस भी काफी यूनिक है. वो ट्रेंड्स को फॉलो करने के साथ-साथ अपना अलग स्टाइल स्टेटमेंट भी बनाती हैं. श्रद्धा अपनी नेचुरल ब्यूटी को लेकर भी फैंस के बीच चर्चा में रहती हैं. उनकी खूबसूरत स्माइल और पॉजिटिव पर्सनैलिटी हर आउटफिट में झलकती है. चाहे श्रद्धा कपूर सिंपल कैजुअल लुक में हों या फिर किसी ग्लैमरस अवतार में, श्रद्धा अपनी सादगी और एलिगेंस से सबका ध्यान खींच लेती हैं. श्रद्धा का मेकअप स्टाइल बेहद सॉफ्ट और नैचुरल रहता है, जो उनकी फीचर्स को और ज्यादा निखार देता है. वो अक्सर स्मोकी आईज, सॉफ्ट लिप्स और हल्के ग्लोइंग मेकअप के साथ नजर आती हैं. श्रद्धा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं. इंस्टाग्राम पर उनके 93.1 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जो उनके हर नए लुक का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं. श्रद्धा भी अपने चाहने वालों को निराश नहीं करतीं और अक्सर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और स्टाइलिश लुक्स शेयर करती रहती हैं. ईठा की बात करें तो इस फिल्म के डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकर हैं. वहीं, फिल्म को दिनेश विजान ने प्रोड्यूस किया है. ये फिल्म 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. ईठा में श्रद्धा कपूर के अलावा रणदीप हुड्डा भी लीड रोल में हैं. इसके अलावा मोहम्मद जीशान अय्यूब भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

मैं वापस आऊंगा ने बॉक्स ऑफिस पर की धमाकेदार वापसी

50 करोड़ क्लब में एंट्री को तैयार, मां इंति बंगारम ने भी दिखाया दम

इम्तियाज अली की फिल्म मैं वापस आऊंगा 50 करोड़ रुपये के आंकड़े से बस थोड़ी दूर है। विभाजन पर बनी यह रोमांटिक फिल्म दिलजीत दोसांझ, शरवरी, वेदांग रैना और नसीरुद्दीन शाह जैसे बड़े कलाकारों के साथ बनी है। 12 जून को रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों से खूब प्यार मिला है और इसी वजह से इसने सिर्फ 12 दिनों में दुनियाभर से कुल 48.14 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। भारत में फिल्म ने 12वें दिन 3.10 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। यह कारोबार करीब 2,800 शोज से आया, जो पिछले कामकाजी दिन के मुकाबले 24 फीसदी ज्यादा है। इससे भारत में फिल्म की कुल नेट कमाई 29.85 करोड़ रुपये और ग्रॉस कमाई 35.54 करोड़ रुपये हो गई है। विदेशी दर्शकों ने भी फिल्म को खूब सराहा है, वहां से अब तक कुल 12.60 करोड़ रुपये की कमाई हुई है, लेकिन मैं वापस आऊंगा अकेली नहीं है जो दर्शकों का दिल जीत रही है। शाहिद कपूर, कृति सैनन और रश्मिका मंदाना की कॉकटेल 2 भी बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है, जिससे अभी दर्शकों के लिए बॉक्स ऑफिस की यह रेस काफी रोमांचक हो गई है। सामंथा रूथ प्रभु की फ़िल्म मा इंति बंगारम 19 जून को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी. इस फिल्म ने वीकेंड पर अच्छा परफॉर्म किया, हालांकि सोमवार को इसकी कमाई में काफी गिरावट आई. चौथे दिन यानी मंडे को इसने 4.10 करोड़ रुपये कमाए, जबकि रविवार को यह कमाई 10.10 करोड़ रुपये थी. वहीं 'मा इंति बंगारम ने रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार को सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 3.50 करोड़ कमाए हैं. इसी के साथ इस फिल्म की 5 दिनों की कुल कमाई अब 30.70 करोड़ हो गई है.राम चरण की फिल्म पेद्दी ने बॉक्स ऑफ़िस पर शानदार शुरुआत की थी. फिर वीकेंड पर इसकी कमाई में उछाल आया, लेकिन अब कमाई घटकर लाख के दायरे में आ गई है. तीसरे सोमवार को फ़िल्म ने सिर्फ़ 83 लाख रुपये कमाए, जबकि रविवार को यह कमाई 2.82 करोड़ रुपये थी. वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक पेद्दी ने रिलीज के चौथे मंगलवार यानी 20वें दिन 80 लाख कमाए थे. इसी के साथ इसकी 20 दिनों की कुल कमाई अब 235.90 करोड़ रुपये हो गई है.

तमन्ना भाटिया सिनेमा में महिलाओं की स्थिति पर बोलीं- बॉलीवुड में आजादी और साउथ में पितृसत्ता

मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया ने बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के बीच के बड़े अंतर को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने साउथ सिनेमा में महिलाओं की स्थिति और वहां हावी पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाते हुए कहा कि हिंदी सिनेमा अभिनेत्रियों को किरदारों के चुनाव में कहीं ज्यादा आजादी और विविधता देता है। तमन्ना का मानना है कि कमर्शियल स्तर पर साउथ सिनेमा महिलाओं के लिए ज्यादा सीमित है।

तमन्ना ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री और दक्षिण भारतीय सिनेमा के बीच के अंतरों पर बेहद बेबाक तरीके से बात की। तमन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री कलाकारों को अपने किरदारों के चयन में अधिक लचीलापन और स्वतंत्रता देती है। उनके मुताबिक, बॉलीवुड में कलाकारों के सामने ये सख्त शर्त नहीं होती कि उन्हें हर व्यावसायिक मापदंड पर खरा उतरना ही है। तमन्ना के अनुसार, बॉलीवुड में 2 तरह के कलाकार होते हैं। कलात्मक नजरिए वाले अभिनेता कुछ खास किरदारों तक सीमित रहते हैं और उनके लिए ग्लैमरस डांस जरूरी नहीं होता। बॉलीवुड कलाकारों को कलात्मक या व्यावसायिक में से कोई एक रास्ता चुनने का विकल्प देता है, वहीं, साउथ सिनेमा पर उन्होंने कहा कि वहां व्यावसायिक फिल्मों में महिलाओं को अक्सर एक खास नजरिए से दिखाया जाता है, जो कभी-कभार पितृसत्तात्मक लग सकता है। तमन्ना के मुताबिक, बॉलीवुड के उलट साउथ में अभिनेत्रियों से ये उम्मीद की जाती है कि वे अभिनय और व्यावसायिकता दोनों में एक साथ महारत हासिल करें। अगर किसी अभिनेत्री को वहां लंबे समय तक टिके रहना है तो वो केवल किसी एक रास्ते को नहीं चुन सकती। उसे गंभीर अभिनय के साथ-साथ फिल्मों के कमर्शियल पहलुओं जैसे ग्लैमर और डांस को भी बखूबी संभालना होता है। इस वजह से ये इंडस्ट्री कुछ मायनों में अधिक प्रतिबंधात्मक हो जाती है। तमन्ना ने डांस नंबर्स पर भी बात की और आइटम सॉन्ग्स के साथ अक्सर जुड़े रहने वाले कलंक का बचाव किया। वो उनके मनोरंजन मूल्य को रेखांकित करते हुए उन्हें पार्टी गाने कहना पसंद करती हैं। करीना कपूर और कैटरीना कैफ जैसी अभिनेत्रियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे गाने अक्सर फिल्मों से भी ज्यादा लंबे समय तक टिके रहते हैं और अपने आप में सांस्कृतिक पल बन जाते हैं।

असली खुशी हमेशा ऊपर चढ़ने में है : अनुपम खेर

अपनी होने वाली आलोचनाओं को लेकर बॉलीवुड अभिनेता अनुपम खेर का कहना है कि अब वे नकारात्मक टिप्पणियों या आलोचनाओं का खुद पर बिल्कुल भी असर नहीं पड़ने देते, जो उनके वर्षों के अनुभव और आत्म-ज्ञान को दर्शाता है। हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर सफलता, दृढ़ता और आलोचना का सामना करने के बारे में अनुपम खेर ने एक बेहद प्रेरक और दार्शनिक संदेश साझा किया है। इस पोस्ट के जरिए, अनुपम खेर ने अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को जीवन की चुनौतियों से निपटने और नकारात्मकता से अप्रभावित रहने का महत्वपूर्ण मंत्र दिया। चुनौतियों के प्रति अपने जीवनभर के लगाव के बारे में बात करते हुए खेर ने कहा कि उनके लिए असली खुशी सिर्फ शिखर पर पहुंचने में नहीं है, बल्कि उस मुश्किलों भरे सफर में मिलती है

जिसे पार करके व्यक्ति उस मुकाम तक पहुँचता है। अपनी कई तस्वीरें साझा करते हुए, जिसमें वह एक सीढ़ी पर बैठे दिखाई दे रहे हैं, तन्वी द ग्रेट के एक्टर ने लिखा, मुझे हमेशा से चढ़ाई करना पसंद रहा है। इसलिए नहीं कि मैं शिखर पर पहुंचना चाहता हूं, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे चढ़ाई की चुनौती पसंद है। रास्ता जितना मुश्किल होता है, ऐसी जगह पहुंचने पर उतनी ही अधिक खुशी मिलती है, जहां पहुंचने की आपने कभी उम्मीद नहीं की थी। यह दर्शन उनके जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण को दर्शाता है, जहाँ प्रयास और प्रक्रिया परिणाम से अधिक महत्वपूर्ण है। अभिनेता ने आलोचना को लेकर भी अपनी राय स्पष्ट की। उन्होंने कहा, हां, जब आप किसी खास मुकाम पर पहुंच जाते हैं, तो हमेशा ऐसे लोग होते हैं जो आपको नीचे खींचना चाहते हैं। शायद ऐसा करने से उन्हें खुद बेहतर महसूस होता है। खेर ने ऐसे आलोचकों के सामने दो रास्तों का जिक्र कियाः अगर वे वहां नहीं पहुंच पाते जहां आप पहुंचे हैं, तो उनके पास दो रास्ते होते हैं, या तो वे इसके लिए मेहनत करें या आपकी आलोचना करें। उन्होंने कटु सत्य उजागर करते हुए कहा कि आलोचना करना आमतौर पर आसान होता है। हालांकि, अनुपम खेर ने यह भी बताया कि उन्होंने अब ऐसी आलोचनाओं से निपटने का अपना तरीका खोज लिया है। उन्होंने कहा, अब मैं इसे दिल पर नहीं लेता।

स्वादिष्ट शाकाहारी सैंडविच के लिए आजमाएं ये 5 रेसिपी, आसान है बनाना

सैंडविच एक ऐसा व्यंजन है, जो हर उम्र के लोगों को पसंद आता है। यह न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि इसे बनाना भी आसान है। आज हम आपको कुछ ऐसे शाकाहारी सैंडविच की रेसिपी बताएंगे, जो आपके खाने के स्वाद को बढ़ा देंगे और आपको नई-नई चीजें खाने का मजा देंगे। इन सैंडविच को आप नाश्ते, दोपहर के खाने या शाम की चाय के साथ खा सकते हैं।

पनीर टिक्का सैंडविच एक बेहतरीन विकल्प है जब आप कुछ मसालेदार और सेहतमंद खाना चाहते हैं। इसके लिए आपको पनीर के टुकड़े, दही, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, धनिया पाउडर और गरम मसाला की जरूरत

होगी। इन सभी मसालों को मिलाकर पनीर के टुकड़ों पर लगाएं और उन्हें कुछ देर के लिए रख दें। इसके बाद ब्रेड के टुकड़ों पर यह मिश्रण फैलाएं और दूसरी ब्रेड से ढक दें। फिर तवे पर सेंककर गर्मागर्म परोसें।

सब्जियों का सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड के टुकड़े लें और उन पर मलाई फैलाएं। अब इनमें कटे हुए खीरे, टमाटर, प्याज, गाजर और सलाद पत्ता डालें। आप इसमें अपनी पसंदीदा सब्जियां भी शामिल कर सकते हैं जैसे शिमला मिर्च, मकई आदि। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट सब्जियों का सैंडविच तैयार है। आलू का चाट मसाला सैंडविच बनाने के लिए उबले हुए आलू को मैश करके उसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और थोड़ा सा अमचूर मिलाएं। अब इस मिश्रण को ब्रेड के टुकड़ों पर फैलाएं और ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें। इसके बाद सैंडविच को तवे पर सेंकें जब तक कि यह सुनहरा भूरा न हो जाए। आपका स्वादिष्ट आलू का चाट मसाला सैंडविच तैयार है।

हरी चटनी वाला सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले हरी धनिया, पुदीना, हरी मिर्च, लहसुन और नमक मिलाकर चटनी तैयार करें। अब ब्रेड के टुकड़े लें और उनमें यह चटनी फैलाएं। आप इसमें बारीक कटी हुई सब्जियां जैसे खीरा, टमाटर, प्याज आदि भी शामिल कर सकते हैं। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट हरी चटनी वाला सैंडविच तैयार है।

मसालेदार टोस्ट सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड के टुकड़ों पर मक्खन लगाएं। अब इसमें बारीक कटी हुई प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, हरी मिर्च और थोड़ा सा नमक डालें।

आप इसमें अपनी पसंदीदा मसालेदार चीजें भी शामिल कर सकते हैं जैसे चटनी या टमाटर की चटनी आदि। इसके बाद ऊपर से दूसरी ब्रेड रखें और इसे हल्का सा सेंकें ताकि यह कुरकुरा हो जाए। आपका स्वादिष्ट मसालेदार टोस्ट सैंडविच तैयार है।

Tamil Nadu CM Vijay joins thousands in anti-drug awareness run at Chennai's Marina Beach

New Delhi, Agency: Tamil Nadu chief minister C Joseph Vijay on Friday flagged off the "Start Run, Stop Drugs" anti-drug awareness run at Chennai's Marina Beach to mark the International Day Against Drug Abuse and Illicit Trafficking before joining hundreds of participants for the event.

Dressed in tracks, sneakers and sunglasses, Vijay drew loud cheers as he ran alongside participants wearing a "Start Run, Stop Drugs" T-shirt. Aerial visuals showed long stretches of Marina Beach Road filled with runners taking part in the awareness campaign.

Before the run began, the chief minister wrote the slogan "Sporta Edu, Drugs Vidu" (Take up sports and give up drugs) on an awareness board. Several ministers present at the venue also signed the board in support of the campaign.

Tamil Nadu sports minister Aadhav Arjuna ran alongside Vijay during the event, while other ministers joined him at different stages of the run. The chief minister also administered an anti-drug pledge, urging people to stay away from narcotics, help friends and family members overcome addiction, and support efforts to eliminate drug abuse from society.

The awareness run came a day after Vijay launched the state's anti-drug anthem as part of the Tamil Nadu government's wider campaign against substance abuse.

Eliminating drugs has been one of the flagship promises of the ruling TVK government. The administration has repeatedly linked the drug menace to deteriorating law and order and crimes against women. During his reply to the motion of thanks on the Governor's address earlier this week, Vijay accused the previous government of failing to curb the unrestricted movement of narcotics across the state.

Shiv Sena MP Jyoti Waghmare moves NCW against Sanjay Raut over 'extremely low-level remarks'

New Delhi, Agency: Shiv Sena Rajya Sabha MP Jyoti Waghmare has approached the National Commission for Women (NCW) against Shiv Sena (UBT) Rajya Sabha MP Sanjay Raut, accusing him of repeatedly using abusive language, obscene profanity and publicly insulting women representatives. In a complaint emailed to the NCW chairperson in New Delhi, Waghmare sought the immediate registration of a criminal case against Raut, alleging that his statements and conduct over the past four years warranted legal action.

Sharing the complaint on X, Waghmare said, "Shiv Sena Rajya Sabha MP Dr. Jyoti Waghmare has today filed an official complaint with the National Commission for Women (NCW) against the continuous abusive language, obscene profanity, and public insult of women representatives by MP from Ratnagiri-Sindhudurg Sanjay Raut."

Seeking strict action, Waghmare urged the women's panel to take cognisance of the matter and ensure criminal proceedings against Raut.According to news agency Media, her complaint stated: "Taking serious note of Sanjay Raut's controversial statements and conduct over the past four years, MP Jyoti Waghmare has made a strong demand in her email complaint sent to the NCW's head office in New Delhi for immediate registration of a criminal case against him." She also expressed concern over the impact of Raut's alleged remarks on Maharashtra's political discourse, saying, "Maharashtra has a great tradition of cultured and ideological politics, but due to MP Sanjay Raut's extremely low-level remarks, this tradition is suffering a major blow."

The complaint comes days after six Shiv Sena (UBT) Lok Sabha MPs formally joined the Eknath Shinde-led Shiv Sena in what the ruling faction described as "Operation Tiger".

Row follows Raut's remarks amid Shiv Sena split: The complaint follows a series of controversial statements made by Raut during the recent political turmoil within Shiv Sena (UBT).

Raut came under criticism after using abusive language while addressing rebel MPs during a press conference last week. Defending his remarks, he said they reflected common Marathi usage and insisted he knew "when and which language should be used." Responding to criticism, Raut had said, "No abusive language.

FCRA rules not to regulate but strangulate: Congress

New Delhi, Agency: Describing the amendments to FCRA rules as designed "not to regulate but to strangulate" independent civil society, Congress leader KC Venugopal Thursday wrote to PM Narendra Modi demanding that they be withdrawn. Venugopal called the recently notified rules an "overt and systemic assault on India's civil society", warning that they would financially and operationally cripple NGOs that render critical services to marginalised communities.

CPM MP John Brittas wrote to Union home minister Amit Shah demanding that the rules be withdrawn. Venugopal said the rules had been amended to make up for withdrawal of the FCRA bill in Budget session of Parliament. "If accepted, they will convert independent civil society into a terrified govt-controlled echo chamber," he added. The Congress MP particularly criticised the rules that require NGOs to select their activities from a rigid, govt-mandated list and restrict their operational geography. He said levying a separate fee for every additional state or category was "nothing short of an administrative toll tax designed to discourage pan-India social work".

CDSCO Restricts Supply Of IVF Consumables To Registered Fertility Centres

New Delhi, Agency: Fertility clinics and sperm banks that are not registered under the Assisted Reproductive Technology (ART) and Surrogacy Acts will no longer be allowed to procure key laboratory materials used in IVF procedures, with the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) directing that such products be supplied only to registered centres. The regulator issued the direction after it was brought to its notice that these products were being supplied to unregistered facilities and said the practice may pose risks to patient health and welfare.

The circular applies to IVF media, cryopreservation media, reagents and other consumables used in assisted reproductive procedures. IVF media are specialised laboratory solutions used to handle, preserve and grow eggs, sperm and embryos during fertility treatment.

Abhijeet Dipke claims BJP workers assaulted reporters in front of Delhi Police

New Delhi, Agency: Cockroach Janta Party (CJP) founder Abhijeet Dipke on Friday alleged that BJP workers physically assaulted reporters and protesters at Delhi's Jantar Mantar, sharing videos of the incident on X.In one of the videos, a voice can be heard saying, "our members are getting hit in front of Delhi police." ChatGPT could not independently verify the claim or the circumstances shown in the footage.

Sharing the video, Dipke wrote, "BJP goons physically assaulting reporters and people at Jantar Mantar."

In another post, accompanied by a separate video, he wrote, "Authorities have a problem with pillows too now. Wish they were this efficient and proactive on paper leaks."

The allegations come as Dipke's sit-in protest at Jantar Mantar demanding Union education minister Dharmendra Pradhan's resignation entered its seventh day. The protest centres on alleged irregularities in competitive examinations and the NEET paper leak controversy. Earlier in the day, Dipke marked Pradhan's birthday by writing, "Happy Birthday, Pradhan. Please resign," on a whiteboard while supporters sang the birthday song. Addressing the minister in a video, he said, "A very happy birthday to you, Dharmendra Pradhan. Do us a favour and resign. As a birthday gift, we can even send you the resignation letter, you'll only have to put your thumb on it."

1993-batch IPS officer Dixit to be IB chief

New Delhi, Agency: Mahesh Dixit, a 1993-batch IPS officer, was appointed as the next chief of the Intelligence Bureau (IB) on Thursday. He will succeed Tapan Deka whose extension ends in June.

The Appointments Committee of the Cabinet chaired by PM Modi cleared his appointment for a tenure of two years from the date of assumption of charge of the post. A seasoned officer with an established track record in handling national security and counter-terrorism issues, Dixit is known for his decision-making abilities within the agency.

A Telangana cadre officer, he has spent most of his career in the IB and was serving as its special director. As J&K State Intelligence Bureau chief, he played a key role during the postArticle 370 period, sources said. He also played a critical role during Operation Sindoor, during which crucial intelligence led to the destruction of terror camps in PoK and Pakistan. Sources said Dixit had been handling key responsibilities within IB for two years.

Govt gives India's envoy to Bangladesh status of Cabinet minister

New Delhi/ Dhaka, Agency: In a decision that underscores the importance New Delhi attaches to its diplomatic engagement with Dhaka, India's new high commissioner to Bangladesh Dinesh Trivedi has been accorded status equivalent to Union cabinet minister.

Soon after presenting his credentials to President Mohammed Shahabuddin on Thursday, Trivedi - the first politician to serve in this position - announced resumption of travel visas for Bangladeshi nationals from all five visa application centres - Dhaka, Rajshahi, Chittagong, Sylhet and Khulna. It was halted nearly two years ago amid deteriorating ties and the security situation during the Muhammad Yunus-led interim regime, which came into being after Sheikh Hasina's ouster as PM in 2024.

In an office memorandum, dated June 24, the home ministry said Trivedi "has been assigned the equivalent status of Union cabinet Minister in the Table of Precedence (ToP) as a measure personal to him, without amending the Table of Precedence". ToP determines hierarchy for constitutional authorities, ministers, judges, diplomats and officials during state and ceremonial functions. The order clarified the status is meant "for ceremonial functions only". The status - first for an envoy to Bangladesh - was earlier accorded to I K Gujral (USSR), Karan Singh (US) and Triloki Kaul (USSR) as ambassadors. Trivedi - a former Union minister and BJP veteran - succeeds Pranay Verma, a 1994-batch IFS officer. Briefing reporters after the presenting of credentials, Bangladesh President's press secretary Md Sarwar Alam said Shahabuddin expressed hope that Trivedi's tenure will further strengthen and deepen the mutually beneficial and people-centric relations between Bangladesh and India.

70-year case, older than its judges, finally decided

New Delhi, Agency: A unique land dispute that dragged through the tenures of all past PMs was finally decided by a Supreme Court bench of Justices Prashant Kumar Mishra and N V Anjaria - both of whom were not born when the case originated from a 1957 sale deed.

The 70-year-old dispute was over 15.5 bighas in Narsipur Kalan village of Haridwar, bought by predecessors of appellant Sarafat Ali through the sale deed of June 4, 1957. SC set aside concurrent findings of trial court and HC and held the deed valid. Justice Mishra succinctly summarised the case: "What initially commenced as proceedings for mutation gradually traversed into the realm of the UP Zamindari Abolition and Land Reforms Act, 1950 and the consolidation framework, though its odyssey across multiple forums only culminated in futility, with the authorities below concurrently holding that the appellants had failed to prove the execution of the said sale deed, thereby compelling them to seek refuge before this court."

Commanding Officer, Major among 30 named in FIR over 'assault, rioting' by Army at J&K police station

Jammu, Agency: The commanding officer of 17 Rashtriya Rifles and a Major were among 30-odd Army personnel named in an FIR Thursday, accusing them of storming a police station in J&K's Kishtwar, assaulting policemen on duty and damaging govt property after a military vehicle was intercepted for allegedly obstructing the deputy commissioner's convoy on a narrow stretch of road.The FIR against commanding officer Colonel N Arun Gandhi, Major Vikas Sharma and others at Atholi police station invokes, among other charges, attempt to murder (Section 109 of BNS) and vandalism (Section 3(1) of the Prevention of Damage to Public Property Act). Maj Sharma and Naib Subedar Shankar Gurkhe had allegedly led at least 30 personnel from the 17 RR camp at Kijayee to the police station the previous day and scaled the main gate and the boundary wall to start what the FIR describes as a "pre-planned attack". The group was armed with sticks, iron rods and service weapons, the complaint states. Sources said this was soon after a military vehicle had been seized and brought to Atholi police station for allegedly blocking the DC's convoy en route to an official event. The Army said the matter was under examination through relevant institutional mechanisms involving both sides. "The Indian Army will extend full cooperation in the legal process. Appropriate actions will be taken based on the outcome of the joint investigation. At this stage, it would be premature to comment further while the investigations are in progress," Jammu-based defence PRO Lt Col Suneel Bartwal said.